धनबाद, सोमवार
3 अगस्त 2026
वर्ष : 03 अंक : 304
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

कांवड़ मेले के चौथे दिन 31.50 लाख शिवभक्तों ने उठाया गंगाजल

हरिद्वार, (एजेंसी) : श्रावण मास के कांवड़ मेले में शिवभक्तों की आस्था चरम पर है। मेले के चौथे दिन रविवार को 31 लाख 50 हजार से अधिक कांवड़िये हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। इसके साथ ही अब तक गंगाजल लेकर प्रस्थान करने वाले शिवभक्तों की कुल संख्या 76 लाख 85 हजार पहुंच गई है।

मेला कंट्रोल रूम में स्थापित पुलिस कंट्रोल रूम से रविवार शाम प्राप्त जानकारी के अनुसार कांवड़ मेले के चौथे दिन शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हरिद्वार के विभिन्न घाटों से गंगाजल भरकर अपनी यात्रा शुरू की।

हरिद्वार में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या के मद्देनजर कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार अपने अपनी ड्यूटी पर तैनात हैं। प्रमुख स्नान घाटों, कांवड़ मार्गों तथा संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

जितेंद्र सिंह ने की उझ बहुउद्देशीय परियोजना की समीक्षा, 90 हजार हेक्टेयर भूमि को मिलेगा सिंचाई लाभ

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में प्रस्तावित उझ बहुउद्देशीय परियोजना की स्थिति और चरणबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की। यह परियोजना लगभग 90 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी और कठुआ जिले को पेयजल उपलब्ध कराएगी। साथ ही पंजाब के पठानकोट और गुरदासपुर जिलों को भी सिंचाई लाभ मिलेगा। परियोजना से 186 से 212 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य है।

केंद्रीय विज्ञान मंत्रालय के अनुसार, बैठक में वॉप्कॉस लिमिटेड के अधिकारियों ने जानकारी दी कि परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण की शेष प्रक्रिया के साथ ही कार्य प्रारंभ होगा। मंत्री ने एजेंसी को गुणवत्ता, सुरक्षा और दक्षता बनाए रखते हुए नवाचारपूर्ण समाधान अपनाने की सलाह दी।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी करे राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी) : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर भाजपा और ट्रस्ट को लेकर दावा किया कि मंदिर निर्माण के दौरान सैकड़ों करोड़ रुपये की चोरी हुई, सोने-चांदी पिघलाकर बेचे गए और पैसा शेयर बाजार में लगाया गया। उन्होंने इसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर डकैती बताते हुए उच्चतम न्यायालय की देखरेख में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की।प्रमोद तिवारी ने रविवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि मंदिर में सिर्फ चढ़ावे की चोरी नहीं हुई, बल्कि शिला पूजन के समय से ही गड़बड़ियां शुरू हो गई थीं। भाजपा ने मंदिर निर्माण को हमेशा चुनावी मुद्दा बनाए रखा और वास्तविक निर्माण उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ही संभव हुआ।उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा अधूरे मंदिर में कराई गई और शंकराचार्यों को आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि पूजा उन्हीं से कराई जानी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अयोध्या दौरे की तैयारियों पर 112 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिसमें फूल और कुर्सियों की खरीद कई गुना अधिक कीमत पर की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के दौरान सात बड़े जमीनी सौदे हुए, जिनमें सर्किल रेट से 17 गुना अधिक रकम का भुगतान किया गया। एक सौदे में 2 करोड़ रुपये की जमीन खरीदकर 10 मिनट बाद 18 करोड़ रुपये में बेची गई।

मंदिर से ह्यचढ़ावा चोरीह्ल होने

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पीबीजी सोल्जराथॉन को वर्चुअल माध्यम से दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण से वर्चुअल माध्यम से राष्ट्रपति अंगरक्षक (पीबीजी) सोल्जराथॉन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर इस पहल के संरक्षक और मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) वीके सिंह (सेवानिवृत्त) भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने इस मौके पर विशेष डाक आवरण भी जारी किया।

राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली कैंटोनमेंट स्थित करिअप्पा परेड ग्राउंड में किया गया। सोल्जराथॉन नागरिकों और सशस्त्र बलों के बीच संबंधों को मजबूत करने का अनूठा मंच है। ह्यरन फॉर सोल्जर्स, रन विद सोल्जर्सह्ल के विजन पर आधारित इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय सैनिकों की समर्पण भावना, साहस और बलिदान को सम्मान देना है तथा नागरिकों को सक्रिय भागीदारी के माध्यम से उनके साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है।इस दौड़ का आयोजन तीन श्रेणियों में किया गया। इसमें पहली 3 किलोमीटर, दूसरी 5 किलोमीटर और तीसरी 10 किलोमीटर की दौड़ शामिल है। सोल्जराथॉन से प्राप्त राशि का उपयोग सशस्त्र बलों के पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र, युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों के कल्याण आदि के लिए किया जाएगा। साथ ही यह पहल पीबीजी के घोड़ों और जवानों के सहयोग के लिए भी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा दौरे पर

नई दिल्ली, 02 अगस्त (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगी। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि 3 अगस्त को राष्ट्रपति कटक में जगद्गुरु कृपालु विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगी। इसके बाद 4 अगस्त को वह भुवनेश्वर से बेरहामपुर तक ट्रेन की यात्रा करेंगी और तप्तापानी स्थित मां कंधुनी देवी मंदिर तथा शिव मंदिर में दर्शन और आरती करेंगी।

ब्रिटिश म्यूजियम से 11वीं सदी की मां सरस्वती प्रतिमा को भारत लाने की तैयारी

सरस्वती हेरिटेज बोर्ड ने प्रयास किए तेज, केंद्र सरकार से मांगा सहयोग

चंडीगढ़, (एजेंसी) : हरियाणा सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड ने लंदन स्थित ब्रिटिश म्यूज़ियम में संरक्षित 11वीं सदी की मां सरस्वती की प्राचीन प्रतिमा को भारत वापस लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। सरस्वती बोर्ड ने केंद्र सरकार से सहयोग मांगा है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश और हरियाणा सरकार के बीच समन्वय बढ़ाया गया है, ताकि यह विरासत जल्द देश लौट सके।बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धुम्मन सिंह किरमिच ने इसे भारतीय संस्कृति, आस्था और सरस्वती सभ्यता की अमूल्य धरोहर करार दिया है। यह प्रतिमा मूल रूप से मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मंदिर की है, जिसे औपनिवेशिक काल (लगभग 1886-1891) के दौरान अंग्रेजों द्वारा इंग्लैंड ले जाया गया था।उन्होंने बताया कि यह प्रतिमा अत्यंत प्राचीन, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की धरोहर है, जो मां सरस्वती के ज्ञान, विद्या और संस्कृति के प्रतीक स्वरूप को दशार्ती है। वर्तमान में यह प्रतिमा लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में सुरक्षित रखी गई है।किरमिच ने कहा कि हाल ही में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ द्वारा भोजशाला परिसर को प्राचीन सरस्वती वाग्देवी मंदिर मानते हुए हिन्दू समाज को पूजा का अधिकार दिए जाने संबंधी महत्वपूर्ण आदेश पारित किया गया है। इसी क्रम में इस ऐतिहासिक प्रतिमा को भारत वापस लाने की मांग और अधिक प्रासंगिक हो गई है।धुम्मन सिंह किरमिच ने बताया कि इस विषय को लेकर हरियाणा सरस्वती बोर्ड द्वारा मध्य प्रदेश सरकार से औपचारिक संपर्क स्थापित किया गया है तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भी पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया गया है। बोर्ड का उद्देश्य इस प्रतिमा को भारत लाकर सरस्वती सभ्यता से जुड़े क्षेत्रों में प्रदर्शित करना तथा अंततः हरियाणा में स्थापित सरस्वती संग्रहालय में प्रतिष्ठित करना है। किरमच ने कहा कि सरस्वती नदी के तट पर विकसित सभ्यता को भारतीय इतिहास की आधारशिला माना जाता है, और इस प्रकार की धरोहरों को पुनः देश में लाना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

करियर और परिवार को बर्बाद कर देता है नशा, खतरों को समझें युवा और दूर रहें: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 02 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है लेकिन आपके करियर और फैमिली लाइफ को लो कर देता है। ऐसे में हमें संकल्प लेना चाहिए कि हमारे युवा नशा और ड्रग्स के खतरों को समझकर जागरुक रहते हुए इससे दूर रहें।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज ह्यनशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान राष्ट्रव्यापी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 28 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक युवा जुड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नशे से परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्ति कमजोर पड़ जाती है। दुश्मन देश भी षड्यंत्र करके देश के युवाओं को नशे की लत में खींचने की कोशिश करते रहते हैं। ऐसे में ड्रग सप्लाई कर कमाई कर देश को तबाह करना भी आतंकी साजिश का हिस्सा होता है। इसलिए हमें हर एक युवा को नशे के चुंगल में फंसने से बचाना है।

सामूहिकता की ताकत पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यक्तिगत प्रयास करते समय निराशा और थकान हो सकती है लेकिन जब कोई अभियान सामूहिक स्वरूप ले लेता है और करोड़ों लोग मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो सामूहिकता की ताकत उसे नई ऊर्जा देती है।प्रधानमंत्री ने बताया कि देशभर के लाखों युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली है। उन्होंने बताया कि यह संकल्प अगले 100 सप्ताह तक लगातार आगे बढ़ेगा। इस दौरान प्रत्येक रविवार कला, संस्कृति, खेल, ध्यान, अध्यात्म और सेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम साबित होंगे।

प्रधानमंत्री ने नशा मुक्ति में योग, ध्यान और पुनर्वास के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से यह विधाएं व्यक्ति के अंतर्मन को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि आज नशा छोड़ने के लिए पुनर्वास केंद्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, ह्ययदि कोई युवा गलती से नशे की गिरफ्त में आ गया है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके सभी रास्ते बंद हो गए हैं। उचित सहयोग और उपचार से वह सामान्य जीवन में लौट सकता है। प्रधानमंत्री ने परिवारों से अपील की कि यदि घर का कोई बच्चा नशे का शिकार हो जाए तो सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण इसे छिपाया न जाए। बच्चों के साथ संवाद की संस्कृति विकसित करना जरूरी है,

महाराष्ट्र के विदर्भ में मूसलाधार बारिश से तीन दिनों में 10 की मौत, कई गांव जलमग्न

मुंबई, (एजेंसी) : महाराष्ट्र के विदर्भ के कई जिलों में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से अब तक अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। भारी बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बारिश, उफनती नदियों और अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) की घटनाओं में कई गांवों का सडक संपर्क टूट गया है, हजारों हेक्टेयर में खड़ी खरीफ की फसलें जलमग्न हो गई हैं और राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

महाराष्ट्र के आपातकालीन विभाग से रविवार को मिली जानकारी के अनुसार भारी बारिश से सबसे दर्दनाक हादसा यवतमाल जिले में हुआ, जहां पानी से भरे पुल को पार करते समय एक कार तेज बहाव में बह गई। इस हादसे में माधवी अविनाश खंडारे (40) और उनकी दो बेटियों प्राची खंडारे (17) तथा साची खंडारे (12) की डूबने से मौत हो गई। कार चला रहे अविनाश खंडारे (45) किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहे और उनका इलाज दारव्हा उपजिला अस्पताल में चल रहा है।

गढ़चिरौली जिले की कुरखेड़ा तहसील के खेड़ेगांव में शनिवार को सती नदी में नहाने गए चार बच्चों में से तीन की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान लक्ष्मण दूधकंवर (7), कुणाल दूधकंवर (5) और मोहित हिवराज (11) के रूप में हुई है। वहीं 13 वर्षीय अविश विनोद अमले झाड़ी का सहारा लेकर बच गया, जिसे बाद में स्थानीय मछुआरों ने सुरक्षित बाहर निकाला। भंडारा जिले की लाखंदूर तहसील के मंडेड़ गांव में पानी से भरे नाले को पार करने की कोशिश में 66 वर्षीय बुजुर्ग बह गए और उनकी मौत हो गई। वहीं, पौनी तहसील के कुडेगांव गांव में 30 वर्षीय किसान प्रमोद ईश्वर ठाकरे गोसीखुर्द सिंचाई परियोजना की नहर के पास फिसलकर दलदल में गिर गए, जिससे उनकी जान चली गई।

वर्धा जिले में हिंगनघाट के पास बारिश से उफनते नाले को पार करते समय स्कूल शिक्षक बी. नारंजे बह गए। जिला कलेक्टर वनमथी चंद्रशेखर ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं बुलढाणा जिले के शेगांव क्षेत्र के फुलेनगर में लगातार बारिश के कारण एक मकान की दीवार गिरने से 85 वर्षीय सरस्वती गोतिराम पलहाड़े की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने उन्हें मलबे से बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया।लगातार बारिश से विदर्भ में खेती को भी भारी नुकसान पहुंचा है। हाल ही में बोई गई खरीफ की फसलें बड़े पैमाने पर पानी में डूब गई हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है।

गढ़चिरौली सबसे अधिक प्रभावित जिलों में शामिल है, जहां नदियों का जलस्तर बढ़ने से दर्जनों गांवों का संपर्क कट गया है। जिले में 24 सडकें बंद कर दी गई हैं, जबकि भामरागढ़ तहसील में पिछले 24 घंटों के दौरान करीब 200 मिमी बारिश दर्ज की गई। नागपुर मंडल की आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदारी ने बताया कि प्रशासन राहत और पुनर्वास कार्य में पूरी तत्परता से जुटा है। जिला प्रशासन और राज्य आपदा मोचन बल ने संयुक्त अभियान चलाकर कुंभी गांव में फंसे तीन लोगों को नाव के जरिए सुरक्षित निकाला। वहीं भामरागढ़ तहसील के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से करीब 700 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे पानी से डूबे पुलों और सडकों को पार करने का प्रयास न करें। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जलस्तर में मामूली बढ़ोतरी भी जानलेवा साबित हो सकती है। बचाव दल हाई अलर्ट पर हैं और विदर्भ के सभी प्रभावित जिलों में स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

व्यावसायिक कोयला खनन से देश में उत्पादन एक अरब टन के पार पहुंचा, 141 खदानों की हुई नीलामी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : देश में व्यावसायिक कोयला खनन व्यवस्था लागू होने के बाद कोयला उत्पादन एक अरब टन से अधिक रहा है। जून 2020 से अब तक 14 चरणों में 141 व्यावसायिक कोयला खदानों की नीलामी की जा चुकी है, जिनसे पूर्ण उत्पादन शुरू होने पर प्रतिवर्ष लगभग 47 हजार करोड़ रुपये का राजस्व और करीब 4.75 लाख रोजगार सृजित होने का अनुमान है।कोयला मंत्रालय ने रविवार को बताया कि वर्ष 2024-25 में देश का कोयला उत्पादन 1,047.52 मिलियन टन तथा वर्ष 2025-26 में 1,040.08 मिलियन टन रहा। वर्ष 2014-15 में यह उत्पादन 609.18 मिलियन टन था। मंत्रालय के अनुसार, इस वृद्धि में कैप्टिव और व्यावसायिक कोयला खदानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और राष्ट्रीय उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी वर्ष 2021-22 के 10.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 20.2 प्रतिशत हो गई।मंत्रालय ने बताया कि भारत विश्व का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार रखने वाला तथा दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक और उपभोक्ता देश है। देश की प्राथमिक ऊर्जा आवश्यकता का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा कोयले से पूरा होता है, जबकि 70 प्रतिशत से अधिक बिजली उत्पादन भी कोयले पर आधारित है।वर्ष 2014 में उच्चतम न्यायालय द्वारा 204 कोयला ब्लॉकों का आवंटन रद्द किए जाने के बाद पारदर्शी नीलामी व्यवस्था लागू की गई। इसके तहत 18 जून 2020 को आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत व्यावसायिक कोयला खनन की शरूआत की गई, जिससे निजी कंपनियों को भी खुले बाजार में कोयला बेचने की अनुमति मिली।मंत्रालय ने बताया कि जून 2020 से अब तक 14 चरणों में 141 कोयला खदानों की नीलामी की गई है, जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 366.35 मिलियन टन है। इनमें 123 खदानें निजी कंपनियों को मिली हैं तथा 44 सफल बोलीदाता ऐसे हैं, जिन्होंने पहले कभी कोयला खनन नहीं किया था। औसत राजस्व साझेदारी 24.17 प्रतिशत रही, जो निर्धारित न्यूनतम चार प्रतिशत से लगभग छह गुना अधिक है।

वर्ष 2025-26 में कैप्टिव और व्यावसायिक खदानों से कुल 210.46 मिलियन टन कोयला उत्पादन हुआ, जो पहली बार 200 मिलियन टन के आंकड़े को पार कर गया। इनमें व्यावसायिक खदानों का योगदान 26.12 मिलियन टन रहा और वर्तमान में 23 व्यावसायिक खदानें उत्पादन में हैं।मंत्रालय के अनुसार, नीलाम की गई सभी व्यावसायिक खदानों के पूर्ण संचालन पर लगभग 48,756 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश होगा। साथ ही, प्रीमियम से प्राप्त राजस्व वर्ष 2014-15 के 461 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 5,553 करोड़ रुपये हो गया है।मंत्रालय ने कहा कि सभी नीलाम खदानों को शीघ्र उत्पादन में लाने के लिए मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।

असम बाढ़ : रिलायंस फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 करोड़ का दिया योगदान

गुवाहाटी,(एजेंसी) : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को बताया कि रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने ऊपरी असम में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 करोड़ का योगदान दिया है।सोशल मीडिया फेसबुक पर मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का आभार जताते हुए कहा कि इस संगठन ने संकट के समय में हमेशा असम के लोगों की मदद की है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी राज्य ने मुश्किल समय का सामना किया है, रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी हमेशा असम के लोगों के साथ खड़ी रही हैं।डॉ. सरमा ने कोविड-19 महामारी के दौरान फाउंडेशन की मदद को याद किया, जब उसने राज्य के लोगों को समय पर सहायता प्रदान की थी। कहा कि इस नए योगदान से ऊपरी असम में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए राहत और पुनर्वास के प्रयासों को मजबूत करने में मदद मिलेगी।मुख्यमंत्री ने बताया कि आर्थिक सहायता के साथ-साथ, रिलायंस फाउंडेशन की टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों में भोजन, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं, आपातकालीन आश्रय और पशुधन के लिए सहायता प्रदान करने का काम कर रही हैं।

डॉ. सरमा ने कहा कि मैं असम के लोगों के प्रति उनकी संवेदना, दया और समर्थन के लिए नीता अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

दिल्ली में 5 अगस्त को 'जीआई एंड बियॉन्ड 2.0' शिखर सम्मेलन शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी) : दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में 5 अगस्त को 'जीआई एंड बियॉन्ड 2.0 शिखर सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्घाटन विदेश एवं वस्त्र राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा करेंगे।वस्त्र मंत्रालय के अनुसार हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद (एचईपीसी) के हीरक जुबली लोगो का औपचारिक अनावरण और डिजिटल हैंडलूम एटलस ह्यएक मंच, अनंत बाजारह्ल का शुभारंभ किया जाएगा। विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय द्वारा हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद (एचईपीसी) के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य देश के जीआई-टैग प्राप्त हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा देना तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उनकी पहुंच को मजबूत करना है। इस दिन देश भर से 100 से अधिक जीआई-पंजीकृत हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए ₹एक मंच, अनंत बाजार₹ टैगलाइन के साथ एक व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया जाएगा। हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद (एचईपीसी) के हीरक जुबली लोगो का औपचारिक अनावरण होगा। पंजीकृत मालिकों और नए अधिकृत उपयोगकर्ताओं को जीआई प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

माई भारत द्वारा रांची में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का आयोजन

युवाओं ने लिया नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प

रांची (एजेंसी) : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माई भारत, रांची द्वारा वाईबीएन विश्वविद्यालय, रांची में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा नशा मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाईबीएन विश्वविद्यालय के अध्यक्ष बैजनाथ यादव तथा विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय की मुख्य प्रबंध निदेशक अंकिता यादव थीं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी वर्चुअल संबोधन का सामूहिक प्रसारण किया गया, जिसे युवाओं ने उत्साहपूर्वक देखा एवं उनके संदेश को आत्मसात करते हुए अपने परिसर को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान युवाओं ने नशा मुक्त युवा, विकसित भारत के जोरदार नारे लगाए।कार्यक्रम में माई भारत, झारखंड की राज्य निदेशक ललिता कुमारी ने सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत की शपथ दिलाई तथा युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने एवं समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।माई भारत, रांची की उपनिदेशक श्वेता सिंह ने युवाओं को अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले आगामी जिला स्तरीय कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा अधिक से अधिक युवाओं से माई भारत पोर्टल से जुड़कर राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन गौरव अग्रवाल ने किया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में एनएसएस समन्वयक कौशल किशोर, एनआईसी की तकनीकी टीम, तकनीकी विशेषज्ञ प्रेम प्रकाश गौरव अग्रवाल द्वारा सहित सभी सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्व हिंदू परिषद दो दिवसीय प्रान्त कार्यसमिति बैठक द्वीप प्रज्वलन के साथ हुआ लोहरदगा में हुआ शुरू

लोहरदगा (एजेंसी) : प्रत्येक छह माह के अंतराल में होनेवाली प्रांतीय कार्यसमिति बैठक इस बार लोहरदगा जिला में होना सुनिश्चित हुआ था।इसी निर्णय अनुसार आज गुदरी बाजार अवस्थित मुद्रिका भवन में करीब 300 प्रांतीय, केन्द्रीय एवं झारखण्ड राज्य के विभिन्न जिलों के दायित्ववान पदाधिकारी के उपस्थिति में पटना गुवाहाटी क्षेत्र धमार्चार्य प्रमुख बीरेंद्र बिमल, क्षेत्र मंत्री बीरेंद्र साहू, प्रान्त उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव, प्रान्त मंत्री मिथिलेश्वर मिश्रा, मार्गदर्शन मंडली संयोजक चैतन्य स्वामी कृष्ण ब्रह्मचर्य जी, सह मंत्री मनोज पोद्दार, रामनरेश सिंह, विश्व हिंदू परिषद लोहरदगा जिला अध्यक्ष रीतेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित एवं भारत माता तथा श्रीराम दरबार मे पुष्पार्जन कर प्रांतीय कार्यसमिति बैठक का शुभारंभ हुआ।

इस दौरान पटना गुवाहाटी क्षेत्र धमार्चार्य प्रमुख बीरेंद्र बिमल ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद का प्राथिमकता सनातन धर्म की अक्षुण्यता तथा सनातनियों एवं देश की रक्षा है। आज हमारे समाज के कुछ बच्चे गलत लोग हिन्दू द्रोहियों के बहकावे आकर धर्म विरोधी गतिविधियों में शामिल हो जाती है। आम जनता के द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधियों द्वारा संसद भवन में सनातन धर्म का मजाक उड़ा रहे है। साधु संतों की वेश भूषा बनाकर गलत तरीके से उनके सम्मान को आघात पहुँचा रहे है। आज सनातनियों को समझना होगा कि धर्म को बचाने हेतु किस तरह का कदम सही होगा? आत्मावलोकन की आवश्यकता है। हमारी स्वरूप हमारी शील चरित्र, वाणी इत्यादि की क्या प्रमाणिकता है, इसकी समीक्षा कीजिये। सनातनियों की प्रमाणिकता और पहचान हेतु सर्व प्रथम हमे अपनी ललाट पर तिलक अवश्य लगानी चाहिये। सनातनियों की विशेषता है कि अपने लोगो के बीच विचारों से असहमत लोगो की बीच सहमति बनाना है। युवओं को सही दशा और दिशा देने हेतु उन्हें नशापन से दूर रखने की जरुरत है। नशा के कारण हमारी पीढियां बर्बाद हो रही है। अतः अभिवावको को चाहिये कि अपने बच्चों में नियंत्रण संस्कारों को आत्मसात द्वारा करने का प्रयास करना चाहिए। सनातन धर्म की अक्षुण्यता के लिये सदियों से सनातन वीर त्याग और बलिदान उदहारण प्रस्तुत करते रहे है। हमारी परिवार व्यवस्था सर्वसमाज में मजबूती के लिए पहचानी जाती है, सनातन की पहचान उनकी वीरता और राष्ट्रभक्ति से है। धर्म और देश के लिए मर मिटने वालों में सनातनी सदैव ततपर रहने वालों में से है। परन्तु कुछ हिन्दू द्रोही विधर्मियो से मिलकर इस परिवार व्यवस्था पर चोट करने की कोशिश कर रहे है। अतः विश्व हिंदू परिषद का प्रत्येक कार्यकर्ता को समर्पण के साथ धर्म और देश की अक्षुण्यता हेतु समर्पित रहकर काम करना ही प्रथम लक्ष्य है।

हजारीबाग में नकली डीएपी खाद का बड़ा खुलासा, सरकारी खाद के खाली बोरों में पैकिंग की तैयारी

हजारीबाग (एजेंसी) : हजारीबाग के इचाक प्रखंड के बोंगा गांव में नकली डीएपी खाद तैयार कर उसे सरकारी खाद के नाम पर बाजार में बेचने की तैयारी । मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस ने एक घर में छापेमारी कर भारी मात्रा में संदिग्ध नकली खाद बरामद की है। मौके से सरकारी अनुदानित डीएपी खाद के कई खाली बोरे भी मिले हैं, जिनमें नकली खाद भरकर बेचने की तैयारी की जा रही थी।दरअसल बोंगा गांव के एक घर में भारी संख्या में बोरे में खाद मिली, जिस पर किसी प्रकार का ब्रांड या कंपनी का नाम अंकित नहीं था। आरोप है कि इस खाद को किसानों को सरकार द्वारा अनुदानित दर पर उपलब्ध कराए जाने वाले डीएपी खाद के खाली बोरों में भरा जा रहा था।मौके से सरकारी डीएपी खाद के कई खाली बोरे बरामद होने के बाद पुलिस को आशंका है कि नकली खाद को असली बताकर बाजार में खपाने की तैयारी की जा रही थी।जिस घर से संदिग्ध खाद बरामद हुई है, वहां रहने वाले लोगों का इचाक बजाय में खाद-बीज का दुकान भी बताया जा रहा है। हालांकि, इस पूरे मामले में वास्तविक स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।मामले की सूचना इचाक थाना पुलिस को डायल-100 के माध्यम से मिली। सूचना मिलने के बाद इचाक थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और संबंधित घर में छापेमारी की।तलाशी के दौरान संदिग्ध खाद के अलावा सरकारी डीएपी खाद के कई खाली बोरे और पैकेट बरामद किए गए।

सांसद जोबा मांझी ने महादेवसाल धाम में श्रावणी मेले का किया उद्घाटन

पश्चिमी सिंहभूम (एजेंसी) : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोईलकेरा के पास स्थित महादेवसाल धाम में श्रावणी मेले का सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने उद्घाटन किया।मौके पर सांसद श्रीमती मांझी ने मंदिर में बाबा भोलेनाथ को जलार्पण कर पूजा अर्चना की।उल्लेखनीय है कि हावड़ा मुंबई मुख्य रेल मार्ग पर स्थित महादेवसाल में खंडित शिवलिंग की पूजा की जाती है। सांसद जोबा मशीन लोगों को श्रावणी मेले की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिला प्रशासन एवं रेल प्रशासन की ओर से यहां हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है

भाजपा को हेमंत सरकार पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं :विनोद कुमार पांडेय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची (एजेंसी) : झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन किसी भी वर्ग के साथ अन्याय नहीं होने देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध और वचनबद्ध हैं। राज्य के युवाओं के भविष्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और प्रत्येक छात्र को हर हाल में न्याय मिलेगा।उन्होंने कहा कि जेपीएससी की आड़ में सरकार के खिलाफ साजिश रचने तथा छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ में संलिप्त बड़ी मछलियों के चेहरे बहुत जल्द बेनकाब होंगे। जैसे ही गड़बड़ी की शिकायत मिली, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। सरकार ने केवल विभागीय कार्रवाई तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि प्राथमिकी दर्ज कराई, जांच एजेंसी को जेपीएससी कार्यालय भेजा गया और चेयरमैन सहित संबंधित पदाधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। अब तक कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जो इस बात का प्रमाण है कि हेमंत सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि हेमंत सरकार युवा, किसान, मजदूर, महिला, दलित, आदिवासी, मूलवासी और अल्पसंख्यक हर वर्गों के साथ न्याय करने वाली सरकार है। सरकार की प्राथमिकता पारदर्शी व्यवस्था, जवाबदेही और अवसरों में समानता सुनिश्चित करना है। किसी भी भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता से समझौता नहीं किया जाएगा। यही वजह है कि पिछली भर्तियों में काफी संख्या में गरीब और जरूरतमंद घरों के बच्चों को सरकार का अंग बनने का अवसर मिला है।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को हेमंत सरकार पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है। झारखंड के युवा आज भी नहीं भूले हैं कि भाजपा के शासनकाल में जेपीएससी की परीक्षाएं लगातार विवादों, अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रहीं। राज्य गठन के बाद बाबूलाल मरांडी की सरकार के समय पहली संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के दौरान मूल्यांकन प्रक्रिया,

उत्तर पुस्तिकाओं में कथित हेरफेर और चयन प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठे। बाद के वर्षों में इन मामलों की जांच केंद्रीय एजेंसियों तक पहुंची और लंबी कानूनी प्रक्रिया चली।उन्होंने कहा कि अर्जुन मुंडा सहित भाजपा के विभिन्न कार्यकालों में आयोजित जेपीएससी परीक्षाओं को लेकर भी कॉपियों में कथित हेरफेर, नंबर बढ़ाने, भाई-भतीजावाद तथा चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न उठते रहे। इन मामलों ने राज्य की भर्ती व्यवस्था की विश्वसनीयता को गहरा आघात पहुंचाया और लंबे समय तक अभ्यर्थियों को न्याय के लिए संघर्ष करना पड़ा।महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि रघुवर दास सरकार के दौरान भी जेपीएससी परीक्षाओं का नियमित कैलेंडर लागू नहीं हो सका। भर्तियों में लगातार विलंब, नियमों को लेकर विवाद, कट-ऑफ, परिणाम प्रकाशन तथा विभिन्न नियुक्ति प्रक्रियाओं पर अभ्यर्थियों का असंतोष बार-बार सड़कों पर दिखाई दिया। उस दौर में हजारों युवाओं का कीमती समय अनिश्चितता और प्रतीक्षा में बीता।उन्होंने कहा कि भाजपा आज राजनीतिक लाभ के लिए युवाओं के हितैषी होने का दिखावा कर रही है, जबकि उसका अपना कार्यकाल भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर विवादों और सवालों से घिरा रहा है। जो दल अपने शासनकाल की विफलताओं का जवाब नहीं दे पाया, वह आज पारदर्शिता और जवाबदेही पर उपदेश देने की स्थिति में नहीं है।विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि हेमंत सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि राज्य के युवाओं का भविष्य सुरक्षित रहे, दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो और प्रत्येक भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं मेरिट आधारित हो। सरकार किसी भी प्रकार की अनियमितता पर पर्दा डालने के बजाय कानून के अनुसार कार्रवाई कर रही है। यही हेमंत सरकार और पूर्ववर्ती भाजपा सरकारों की कार्यशैली में मूलभूत अंतर है।उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा का मानना है कि युवाओं का विश्वास ही राज्य की सबसे बड़ी पूंजी है। इस विश्वास को बनाए रखने के लिए सरकार हर आवश्यक कदम उठाती रहेगी और किसी भी दोषी को कानून से बचने का अवसर नहीं दिया जाएगा।

मध्यान्ह भोजन योजना पर मंडराया संकट, राशि नहीं मिलने से विद्यालयों में बढ़ी चिंता,राशि नहीं मिली तो एक सप्ताह बाद बंद हो जाएगा एमडीएम

पश्चिमी सिंहभूम (एजेंसी) : चक्रधरपुर प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में संचालित प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (मध्यान्ह भोजन) योजना वित्तीय संकट से जूझ रही है।योजना के लिए लंबे समय से राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यालयों में बच्चों को मिलने वाले भोजन और पूरक पोषण पर असर पड़ने की आशंका गहरा गई है।इसी मुद्दे को लेकर रविवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय, अंचल कॉलोनी, चक्रधरपुर में अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, प्रगतिशील शिक्षक संघ तथा राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संयुक्त आह्वान पर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मध्यान्ह भोजन योजना की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में उपस्थित प्रभारी प्रधानाध्यापकों ने बताया कि अधिकांश विद्यालयों में सरस्वती वाहिनी के अध्यक्षों द्वारा पिछले चार महीनों से बिना पर्याप्त राशि के किसी तरह मध्यान्ह भोजन का संचालन किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि अब स्थिति अत्यंत गंभीर हो चुकी है और स्थानीय स्तर पर उधार या अन्य माध्यमों से व्यवस्था चलाना भी कठिन हो गया है।शिक्षकों ने चिंता जताई कि राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण बच्चों को दिए जाने वाले पूरक पोषण के तहत अंडा एवं फल की व्यवस्था बंद करनी पड़ेगी।साथ ही यह भी आशंका व्यक्त की गई कि यदि शीघ्र आवश्यक राशि उपलब्ध नहीं कराई गई तो आगामी एक सप्ताह के भीतर कई विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन का संचालन पूरी तरह ठप हो सकता है।बैठक में यह भी कहा गया कि मध्यान्ह भोजन योजना केवल भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और विद्यालयों में नियमित उपस्थिति से भी सीधे जुड़ी हुई है।योजना प्रभावित होने पर गरीब एवं ग्रामीण परिवारों के बच्चों पर इसका सबसे अधिक असर पड़ेगा।उपस्थित शिक्षकों ने सरकार और संबंधित विभाग से अविलंब बकाया राशि जारी करने की मांग की।सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस संबंध में जिला शिक्षा अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम तथा उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभूम को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र हस्तक्षेप और आवश्यक कार्रवाई की मांग की जाएगी।बैठक में शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते राशि उपलब्ध नहीं कराई गई तो इसका सीधा प्रभाव विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के पोषण स्तर, स्वास्थ्य और नियमित उपस्थिति पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों के हित में सरकार को तत्काल पहल करते हुए मध्यान्ह भोजन योजना के लिए लंबित राशि जारी करनी चाहिए, ताकि विद्यालयों में भोजन व्यवस्था सुचारु रूप से जारी रह सके।

विधानसभा का मॉनसून सत्र छह से, जेपीएससी-जेएसएससी मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में विपक्ष

रांची (एजेंसी) : झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र छह अगस्त से शुरू होने जा रहा है।सात दिनों के इस संक्षिप्त सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार राजनीतिक रस्साकशी देखने को मिलेगी।इस बार जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितता व नियोजन के मुद्दों को लेकर विपक्ष, सत्ता पक्ष को चौतरफा घेरने की रणनीति बना चुका है।युवाओं और रोजगार से जुड़े इन संवेदनशील विषयों पर विपक्ष सदन में बेहद मुखर रहेगा।दूसरी ओर, सत्ता पक्ष भी विपक्ष के हर वार का करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।जेपीएससी के मुद्दे पर सरकार नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को अपना मुख्य हथियार बनाकर भाजपा पर पलटवार करने की तैयारी में है।सदन के भीतर अपनी-अपनी रणनीतियों को धार देने के लिए पांच अगस्त को सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपने विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठकें बुलायी हैं।प्रदेश भाजपा कार्यालय में होने वाली इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के सभी विधायक शामिल होंगे।इसमें सरकार को विभिन्न जनहित के मुद्दों पर घेरने का खाका तैयार किया जायेगा।वहीं सत्तारुढ़ दल के विधायकों की बैठक एटीआई सभागार में शाम चार बजे से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होगी।इसमें झामुमो, कांग्रेस और राजद के विधायक शामिल होकर विपक्ष के आरोपों का ठोस और एकजुटता से जवाब देने की रणनीति बनायेंगे।इससे पहले कांग्रेस विधायक दल की बैठक अलग से होगी।छह से 12 अगस्त तक चलने वाले इस सत्र में शनिवार और रविवार के अवकाश के कारण वास्तविक रूप से केवल पांच कार्यदिवस ही उपलब्ध होंगे। इन्हीं पांच दिनों में जनता से जुड़े जरूरी मुद्दों पर चर्चा होगी। सत्र के दौरान राज्य सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष (2026-27) का पहला अनुपूरक बजट सात अगस्त को सदन के पटल पर रखा जायेगा।छह अगस्त को नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण, अध्यादेश (यदि हो तो) और शोक प्रकाश,सात अगस्त को प्रश्नकाल एवं वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम अनुपूरक बजट का उपस्थापन,आठ व नौ अगस्त को शनिवार एवं रविवार का साप्ताहिक अवकाश,10 अगस्त को प्रश्नकाल, प्रथम अनुपूरक बजट पर चर्चा और मतदान, 11 अगस्त को प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक एवं अन्य राजकीय कार्य और 12 अगस्त को प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक, अन्य राजकीय कार्य और गैर-सरकारी संकल्प होगा।

90 यूनिट रक्त संग्रह, 41 लोगों ने कराया नेत्रदान पंजीकरण प्रोजेक्ट जागृति के तहत कार्मेल स्कूल में आयोजित हुआ विशाल स्वास्थ्य शिविर

पश्चिमी सिंहभूम (एजेंसी) : उपायुक्त द्वारा संचालित प्रोजेक्ट जागृति बेहतर स्वास्थ्य की ओर एक कदमह्व के अंतर्गत रविवार को कार्मेल स्कूल, चक्रधरपुर के प्रांगण में रक्तदान सह नेत्रदान पंजीकरण शिविर का सफल आयोजन किया गया।यह शिविर सृष्टि अल्ट्रासाउंड एवं नेत्र क्लिनिक, चक्रधरपुर तथा संत अंजला अस्पताल, चक्रधरपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता का परिचय दिया।शिविर में कुल 115 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया, जिनमें से 90 लोगों ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। रक्तदाताओं में 21 महिलाएं भी शामिल रहीं, जो महिलाओं की बढ़ती सामाजिक भागीदारी और स्वास्थ्य जागरूकता का सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। आयोजकों के अनुसार यह इस प्रकार का पहला शिविर था, जिसे सृष्टि अल्ट्रासाउंड एवं नेत्र क्लिनिक और संत अंजला अस्पताल ने संयुक्त रूप से आयोजित किया, और पहली ही बार में इसे व्यापक सफलता मिली।रक्तदान के साथ-साथ शिविर में 41 लोगों ने नेत्रदान के लिए पंजीकरण कराया।

पंजीकरण करने वाले लोगों ने शपथ पत्र भरकर यह संकल्प लिया कि उनकी मृत्यु के बाद उनकी आंखों की कॉर्निया निकालकर दृष्टिहीन लोगों के जीवन में रोशनी लाने के लिए उपयोग की जाएगी।इस पहल को समाज में मानवता और सेवा की भावना को मजबूत करने वाला कदम बताया गया।शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. प्रवीण मिंज ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वैच्छिक रक्तदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक लोगों को इस महादान से जोड़ना था।उन्होंने कहा कि लोगों की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि समाज अब स्वास्थ्य और मानव सेवा के ऐसे अभियानों के प्रति अधिक संवेदनशील हो रहा है।वहीं, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सेलिन सोशन ने नेत्रदान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि ह्लनेत्रदान मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन में रोशनी ला सकता है।ह्व उन्होंने बताया कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी आंखों की कॉर्निया को सुरक्षित निकालकर उन मरीजों में प्रत्यारोपित किया जाता है, जिनकी दृष्टि कॉर्निया की खराबी के कारण चली गई हो। डॉ. सोशन ने बताया कि एक नेत्रदाता की दोनों आंखों से 4 से 6 दृष्टिबाधित व्यक्तियों को नई रोशनी मिल सकती है।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित, सम्मानजनक और चिकित्सकीय मानकों के अनुरूप होती है तथा इससे मृत व्यक्ति के चेहरे की सुंदरता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं नेत्रदान का संकल्प लें और अपने परिवार के सदस्यों को भी इसके लिए प्रेरित करें।शिविर को सफल बनाने में सदर अस्पताल चाईबासा, संत अंजला अस्पताल चक्रधरपुर तथा सृष्टि अल्ट्रासाउंड एवं नेत्र चिकित्सालय चक्रधरपुर की पूरी चिकित्सा एवं सहयोगी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने रक्तदान और नेत्रदान से जुड़े भ्रांतियों को दूर करते हुए लोगों को वैज्ञानिक जानकारी भी दी।

लोहरदगा से पहाडी मंदिर में जलाभिषेक के लिए पैदल निकले कांवरिया

लोहरदगा (एजेंसी) : थाना रोड बालिका स्कूल के निकट चन्द्रशेखर आजाद चौक से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी तेतरतर बोल बम समिति के अगुवाई में हजारों की संख्या में कांवड़ यात्री सावन के प्रथम सोमवारी को रांची स्थित पहाड़ी मंदिर में जलाभिषेक करने हेतु लगभग पचहत्तर किलोमीटर पैदल यात्रा रविवार को प्रातः 9 बजे चंद्रशेखर आजाद चौक से निकलकर थाना रोड स्थित सुभाष चौक के शिवालय में मत्था टेक कर तथा तिवारी दुरा, राणा चौक , महावीर चौक ,अपर बाजार होते हुए शंख नदी में जल लेकर यात्रा को छोटे बड़े हर उम्र के लोग जलपार्पण हेतु तथा बोल बम बोल बम हर महादेव का जयघोष लगाते हुए निकल पड़े। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह ने तेतरतर स्थल के ऐतिहासिक तथा पौराणिक महत्व के बारे जानकारी दी कि यहां पर रामनवमी, दुर्गा, पूजा छठ, पूजा काली, पूजा सरस्वती, बोल बम की यात्रा की यात्रा के साथ-साथ तजिया भी बैठाया

जाता है तथा पूरे भाईचारगी के साथ लोग यहां पर एक-दूसरे के सुख दुख के सहभागी भी बनते हैं। वहीं श्री सिंह ने पुलिस कप्तान तथा उसकी टीम के द्वारा युवा व्यवसायी शुभम साहू के हत्यारों ,ज्वेलर्स दुकान के लूटपाट में शामिल व्यक्ति को मात्र 36 घंटे में पकड़े जाने पर काफी प्रशंसा की तथा उपस्थित जनसैलाब ने तालियों के साथ करतल ध्वनि से एसपी का मान बढ़ाया तथा लोगों ने भुरी भुरी प्रशंसा की।लोहरदगा उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने कहा कि एक महीना का इस मास में ईश्वर हमें अनुशासन, सद्भाव, प्रेम, करुणा का ज्ञान प्राप्त होता है साथ ही साथ जो भी कांवड़िया, जो हर उम्र के हैं, सबों को एक-दूसरे को सहयोग करके यात्रा करनी चाहिए।पुलिस कप्तान सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि देवों के देव महादेव का आशीर्वाद सदैव लोहरदगा को मिल रहा है। साथ ही साथ शुभम की हत्या पर काफी दुख भी जताया के अचानक इस उम्र में इस युवा का चले जाना काफी पीड़ादायक है। उसके परिवार में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव तथा नगर परिषद अध्यक्ष अनिल उरांव ने भी सबकी मंगल कुशल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी तथा भगवान शिव द्वारा समुद्र मंथन पर विस को निगल जाने के पौराणिक कथा के बारे विस्तृत रूप से बताया ।कि लोहरदग्गा के डीसी संदीप कुमार मीना पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, नगर परिषद अध्यक्ष अनिल उरांव, जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव, समिति के संरक्षक ओमप्रकाश सिंह, संजय बर्म्मन आदि ने भोले बाबा के चित्र पर नारियल फोड़कर तथा भगवा झंडा लहराकर विदाई दी। इस कार्यक्रम में लोहरदगा एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, अंचलाधिकारी खलखो, समिति अध्यक्ष अखिलेश वर्मा, सचिव आनंद ठाकुर, रांची व्यवसायी चंदन सिंह, ओंकारनाथ साहदेव, पार्षद अंजली वर्मा, पार्षद कमला देवी, पार्षद अभिषेक कुमार, पार्षद किशुन महतो, प्रमोद राय, अनुपम प्रकाश कुवंर, राजेंद वर्मा, राजेन्द्र महतो आदि काफी संख्या में मौजूद थे।

मारवाड़ी पंचायत चास द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय का 56 वाँ स्थापना दिवस मना,बच्चों ने प्रस्तुत किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

बोकारो (एजेंसी) : मारवाड़ी पंचायत चास द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय का 56 वाँ स्थापना दिवस रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।विद्यालय के प्राचार्य रंजीत कुमार ने सभी अतिथिगणों, मारवाड़ी पंचायत कार्यकारिणी समिति, विद्यालय प्रबंधन समिति के सम्मान में स्वागत भाषण दिया और कहा कि विद्यालय के उन तमाम बच्चो को बधाई जिन्होंने इस वर्ष नीट, आई आई टी, एन.आई.टी. मे प्रवेश लिया तथा सी.ए. की डिग्री हासिल की। कहा कि विद्यालय के प्रतिभावान बच्चे आज भी विद्यालय के नाम को अपनी प्रतिभा से आगे बढ़ा रहें है।तत्पश्चात मारवाड़ी पंचायत कार्यकारिणी समिति, विद्यालय प्रबंधन समिति व समाज के वरिष्ठ जनों ने दीप प्रज्वलित कर, माँ सरस्वती और महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया।विद्यालय प्रबंधन समिति के सभापति अनिल गोयल ने अपने उद्बोधन मे स्थापना दिवस की शुभकामना के साथ-साथ समाज के बुजुर्गों का आभार व्यक्त किया।जिन्होनें 56 साल पहले इस विद्यालय की नींव रखी और यह विद्यालय मारवाड़ी समाज के गर्व और स्मरण का प्रतीक है।यह विद्यालय अच्छे संस्कार, संस्कृति , नवाचार और शिक्षा का विशेष केंद्र बने, यही हमारा उद्देश्य है।प्रबुद्ध समाज सेवी नेतरामजी गर्ग, गोपाल मुरारका ने कहा कि 56 साल पहले जो पौधारोपण किया गया था वह आज विशाल वृक्ष बन गया है। आदर्श विद्या मंदिर कुम्हार की तरह कच्ची मिट्टी के समान बच्चों को संवार रहा है।नरेश लोधा ने कहा कि जो सामने दिखते हैं उनके साथ-साथ जो अप्रत्यक्ष कर्मी है और समाज की मातृशक्ति है उनका भी उतना ही महत्वपूर्ण स्थान है। विद्यालय की स्थापना से जुड़े सभी समाज सेवियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

बीआईटी सिंदरी में पाटलिपुत्र अस्पताल का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बीआईटी सिंदरी परिसर में रविवार को पाटलिपुत्र अस्पताल, जोड़ा फाटक रोड, धनबाद द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और विशेषज्ञ चिकित्सकों की परामर्श सेवा उपलब्ध कराना था। शिविर में कुल 109 लोगों ने स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। शिविर में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश झा, यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. प्रतीक शरण, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. मृणाल झा, जनरल सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. अरुण अग्रवाला, दंत चिकित्सक डॉ. विकास कुमार तथा जनरल फिजीशियन डॉ. एस.डी. चौधरी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान मरीजों की निःशुल्क ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, पल्स तथा डेंटल स्क्रीनिंग की जांच की गई। जांच में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के 32, यूरोलॉजी के 19, जनरल सर्जरी के 18, डेंटल के 15 तथा जनरल फिजीशियन के 25 मरीजों का परीक्षण किया गया। जिन मरीजों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के संकेत मिले, उन्हें आवश्यक जांच एवं समुचित उपचार के लिए पाटलिपुत्र अस्पताल आने की सलाह दी गई। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन ने जानकारी दी कि बीआईटी सिंदरी के सभी कर्मचारियों को पाटलिपुत्र अस्पताल में झारखंड राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत सीजीएचएस दर पर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर की सफलता में बीआईटी सिंदरी के निदेशक डॉ. पंकज राय, प्रशासन विभाग के बी.डी. यादव, डिस्पेंसरी प्रभारी प्रो. चैतन्य शर्मा तथा फार्मासिस्ट बसुदेव त्यागी का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य जांच शिविर समय रहते बीमारियों की पहचान और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पाटलीपुत्र अस्पताल की स्वास्थ्य टीम में राकेश बरनवाल, सोमनाथ सिंह, मुकेश, अभिनाश, अकबर, अमीर, मरजीना, बबीता, पूजा, सुमन और राजन सहित अन्य कर्मियों ने भी शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

लायंस क्लब हरिणा को मिला उत्कृष्ट सेवा कार्य अवार्ड

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः लायंस क्लब इंटरनेशनल, जिला 322ए का 61वां पदस्थापना समारोह आज रांची के बरियातू स्थित मंडपम कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुआ। इसमें लायंस क्लब हरिणा को उत्कृष्ट और अत्यधिक सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया। लायंस क्लब हरिणा की ओर से अध्यक्ष लायन के सी पाल एवं क्लब प्रशासक लायन सुनील कुमार सिंह ने जिलापाल पीएमजेएफ लायन शुभ्रा मजूमदार तथा पूर्व अंतर्राष्ट्रीय डायरेक्टर पीएमजेएफ लायन संजय खेतान (नेपाल) के हाथों से यह प्रतिष्ठित अवार्ड ग्रहण किया। यह सम्मान पिछले वर्ष क्लब द्वारा किए गए मिशन 500 पौधरोपण, मंदिरों में डस्टबिन वितरण, जल शुद्धिकरण अभियान, भंडारा सहयोग सहित विभिन्न सेवा कार्यों की उत्कृष्टता के लिए दिया गया। क्लब अध्यक्ष केसी पाल ने इस उपलब्धि का श्रेय क्लब के सभी सदस्यों एवं सेवा की भावना को दिया। समारोह में लगभग 400 लायंस सदस्य उपस्थित थे। इसमें बिहार और झारखंड के 92 क्लबों के प्रतिनिधि, सभी पूर्व जिलापाल, कैबिनेट सदस्य एवं सभी रीजन चेयरपर्सन मौजूद थे।

छह सूत्री मांगों के लिए जनता मजदूर संघ का आंदोलन तेज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। पूर्वी झरिया क्षेत्र में जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) ने अपनी छह सूत्री मांगों पर प्रबंधन द्वारा कोई ठोस पहल नहीं किए जाने के विरोध में रविवार को आंदोलन और तेज कर दिया। संगठन के कार्यकताओं ने सुबह से ही भौंरा 16 नंबर कांटा घर तथा सुदामडीह कांटा घर को बंद करा दिया, जिससे क्षेत्र से कोयला डिस्पैच पूरी तरह ठप हो गया। 16 नंबर कांटा घर से टाटा कंपनी के वाशरी सहित अन्य उपभोक्ताओं के लिए कोयले की आपूर्ति की जाती थी। कांटा घर बंद होने से सभी प्रकार की कोयला ढुलाई रुक गई। संघ के नेता सुबोध सिंह ने कहा कि पूर्वी झरिया क्षेत्र के महाप्रबंधक की नीति के कारण संगठन को यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने बताया कि तीन दिनों से कार्यकर्ता परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में रैयत उमेश महतो को कंपनी आवास आवंटित करने की मांग को लेकर धरना दे रहे हैं, लेकिन प्रबंधन ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। आरोप लगाया कि भौंरा क्षेत्र में ओवर डंपिंग के कारण भारी प्रदूषण फैल रहा है। विशेष रूप से पर्शियाबाद कुम्हार मोहल्ला के समीप डंपिंग किए जाने से आसपास का इलाका धूल की चपेट में है। उन्होंने कहा कि लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है तथा सर्दी, खांसी, बुखार और आंखों में जलन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। छोटे बच्चों पर इसका सबसे अधिक असर पड़ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि क्षेत्र में बिना फिल्टर किया हुआ पानी सप्लाई किया जा रहा है, जिससे लोग बीमार पड़ रहे हैं। इसके अलावा 10-10 घंटे बिजली कटौती, कंपनी के क्वार्टरों पर अवैध कब्जा, आवास आवंटन में अनियमितता, बेरोजगारी, पेलोडर से लोडिंग बंद कर मैन्युअल लोडिंग शुरू करने तथा भौंरा 12 नंबर में अधिग्रहित जमीन और मकानों के बदले प्रभावित रैयतों को मुआवजा एवं आवास देने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। सुबोध सिंह ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन और उग्र होगा तथा पूर्वी झरिया क्षेत्र की दोनों आउटसोर्सिंग कंपनियों का कार्य भी बंद करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब प्रबंधन के साथ किसी प्रकार की वार्ता तीन दिन बाद ही होगी, क्योंकि संगठन पहले ही तीन दिनों तक बातचीत का इंतजार करता रहा, लेकिन प्रबंधन ने कोई पहल नहीं की। आंदोलन में शिव प्रकाश सिंह, भोला सिंह, सुनील पासवान, अमजद अंसारी, जोगिंदर महतो, पार्षद चंदन महतो, पार्षद रीना महतो, सरोज शर्मा, धर्मेंद्र यादव, वीरेंद्र यादव समेत दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे। गौरतलब है कि पूर्वी झरिया क्षेत्र में कुल चार कांटा घर संचालित हैं। इनमें से कोलियरी कार्यालय कांटा घर और 238 कांटा घर पहले ही बंद कराए जा चुके थे। अब चारों कांटा घरों के बंद होने से टाटा कंपनी, सेल, रेलवे समेत विभिन्न उपभोक्ताओं के लिए कोयला आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित हो गई है। इससे बीसीसीएल को प्रतिदिन करोड़ों रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। साथ ही राज्य और केंद्र सरकार को रॉयल्टी के रूप में मिलने वाले राजस्व पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

जगजीवन नगर हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा,दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित जगजीवन नगर में शनिवार को हुई युवक करण कुमार की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। धनबाद डीएसपी (विधि-व्यवस्था) प्रकाश सोया ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि चोरी के संदेह में युवक की बेरहमी से पिटाई की गई थी, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में दो मुख्य आ-रोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।डीएसपी प्रकाश सोया ने बताया कि 1 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि जगजीवन नगर के जामुन पेड़ के पास एक युवक गंभीर रूप से घायल

अवस्था में पड़ा है। उसकी पहचान करण कुमार के रूप में हुई। परिजन और स्थानीय लोगों की मदद से उसे पहले एसएनएमएमसीएच ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। इसके बाद उसे बलियापुर रोड स्थित जेपी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच लाया गया।पुलिस जांच के दौरान मुख्य आरोपी कन्हाई लाल भट्टाचार्य और शिव प्रकाश को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि करण कुमार कथित तौर पर कन्हाई लाल भट्टाचार्य के घर में चोरी की नीयत से घुसा था। उसे पकड़ने के बाद दोनों ने उसकी पिटाई की। शोर सुनकर आसपास के अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी युवक के साथ मारपीट की, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।डीएसपी ने बताया कि मामले में शामिल अन्य अज्ञात लोगों की पहचान की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की हर पहलू से जांच जारी है और सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गोपीनाथडीह की टीम ने जीता फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः एफजीएस क्लब गोपीनाथडीह की ओर से रविवार को गोपीनाथडीह पंचायत सचिवालय मैदान में एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने भाग लिया। टूनार्मेंट का उद्घाटन मुखिया प्रतिनिधि इंद्रजीत महतो, पूर्व मुखिया छोटू कुमार दास एवं अन्य अतिथियों ने किया। फाइनल मुकाबला गोपीनाथडीह और बेलटाड़ (बोकारो) की टीमों के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच रोमांचक और कांटे की टक्कर रही। इसके बाद हुए ट्राईब्रेकर में गोपीनाथडीह की टीम ने बेलटाड़ को 5- 4 से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि मुनीडीह ओपी प्रभारी मनीता कुमारी एवं गोपीनाथडीह की मुखिया कौशल्या देवी ने विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। मौके पर इंद्रजीत महतो, पूर्व मुखिया छोटू कुमार दास, विष्णु मल्लिक, अंकित सिंह, विशाल गोप, देवास मल्लिक, सूरज सिंह, राजकुमार महतो सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित थे।

शहीद शक्ति नाथ महतो की 78 वीं जयंती पर उन्हें दी गई श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। झारखंड आंदोलन के जन नायक क्रांति दूत शहीद शक्ति नाथ महतो की 78 वीं जयंती समारोह शहीद शक्ति नाथ महतो चौक तेतुलमारी में मनाई गई। शहीद पत्नी सुची देवी व पुत्री अंजना देवी दूध एवं गंगा जल से नहलाकर पुष्प अर्पित कर पूजा अर्चना की। इप्टा के कलाकारों ने श्रद्धांजलि गीत प्रस्तुत कर सबकी आंखें नम कर दी। सर्वमंगला पब्लिक स्कूल एनसीसी के बच्चों ने सलामी देकर श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। बौआकला उत्क्रमित मध्य विधालय के बच्चों, एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय गंडुआ के बच्चों एवं शिक्षक ने भी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को धनबाद नगर निगम के वार्ड संख्या 5 की पार्षद निरुपमा देवी ने साड़ी देकर व नौजवानों को गमछा देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम मे मुख्य रुप से श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों मे झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो,सिन्दरी विधायक चंद्रदेव महतो,निरसा विधायक अरुप चटर्जी,झरिया विधायक रागिनी सिंह, झारखंड के पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ,बाघमारा पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी अजीत कुमार बिमल,का. हलधर महतो,भाजपा नेत्री तारा देवी,झामुमो जिला सचिव मन्नु आलम, झामुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश टुडू, जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सह भाजपा नेता शेखर सिंह,धनबाद प्रमुख सदर आरती देवी, जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी, मंटु चौहान,जिप सदस्य मो. इसराफिल,बाणी देवी,पार्षद राम मुर्ति सिंह उर्फ छोटु सिंह,पार्षद निरुपमा देवी, जिला उपाध्यक्ष मुकेश ,तेतुलमारी थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी ,पंसस सुधीर सिंह,डा.अमृत त्रिगुणायत,पार्थो त्रिगुणायत,मुखिया मो. आजाद, समर्पण एक नेक पहल के केंद्रीय अध्यक्ष दिपेश चौहान,धीरेन रवानी,राजू प्रसाद हाडी,महादेव महतो,नरेश महतो,सनातन सोरेन शामिल हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्मारक समिति के शिव प्रसाद महतो,दयानन्द महतो,घल्टु त्रिगुणायत,लोक नाथ महतो,गौतम महतो,सतीश महतो,बिमल कुमार महतो ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जयंती पर शहीद शक्ति नाथ इंटर कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज सिजुआ में शक्ति नाथ महतो के 78वीं जयंती पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। महाविद्यालय प्रतिवर्ष शक्ति जयंती के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता एवं फुटबॉल खेल जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। इस प्रतियोगिता में झारखंड संबंधित प्रश्न पूछे गए।प्रतियोगिता में बेहतर अंक लाने वाले 10 टॉपर छात्र-छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पारितोषिक दिया जाएगा। तत्पश्चात महाविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने शहीद स्मारक जाकर शहीद वेदी पर माल्यार्पण किया एवं क्रांतिवीर शहीद शक्ति नाथ महतो को श्रद्धांजलि दी। मौके पर उपस्थित महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य रमेश प्रसाद ने कहा कि क्रांतिवीर शहीद

शक्ति नाथ महतो समाज के शोषितों, पीड़ितों के हित में आवाज उठाए। महाविद्यालय परिवार उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता है। क्विज प्रतियोगिता में झारखंड एवं झा-रखंड के शहीदों के बारे में प्रश्न पूछे गए जिनका उद्देश्य बच्चों को शहीदों के बारे में अवगत कराना है। मौके पर प्रो मोकितउद्दीन, प्रो रमेश प्रसाद,प्रो समीर कुमार महतो, प्रो अविनाश कुमार,प्रो कल्पना कुमारी, प्रो राखोहारी महतो, प्रो राजू महतो, प्रो मनोज कुमार महतो,प्रो मेघनाथ महतो, प्रो राकेश कुमार महतो,प्रो दिनेश मधेशिया, प्रो राजकुमार प्रसाद , प्रो पंचानन सिंह चौधरी , प्रो शेखर महतो,प्रो चमन महतो ,राजकुमारी, प्रो प्रियंका कुमारी,मोहित कुमार महतो ,जितेंद्र महतो , तेंदुलकर भट्ट,चक्रधर महतो , अभिमन्यु महतो, मोहित महतो, लालू महतो, राहुल कुमार ,भुनेश्वर महतो,शांति देवी ,शंकर महतो, प्रदीप महतो, पंकज महतो सहित अन्य मौजूद थे।

विद्युत, साउंड एंड डीजे डेकोरेटर्स संघ का 13 सितंबर को होगा अधिवेशन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिला विद्युत, साउंड एंड डीजे डेकोरेटर्स संघ का वार्षिक अधिवेशन 13 सितंबर को होगा। रविवार को संघ की कार्यकारिणी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में संघ के सभी शाखा पदाधिकारी एवं केंद्रीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संगठनात्मक एवं व्यावसायिक विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। संघ का अधिवेशन आगामी 13 सितंबर 2026 को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही यह भी तय किया गया कि अधिवेशन से पूर्व सभी सदस्यों को परिचय प्रमाण पत्र निर्गत किए जाएंगे, ताकि संगठन की गतिविधियों को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जा सके। संघ के महासचिव शिव कुमार बनर्जी ने कहा

कि रक्तदान जीवनदान की भावना को ध्यान में रखते हुए अधिवेशन के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर इस सामाजिक पहल को सफल बनाने की अपील की। बैठक में बढ़ती महंगाई को देखते हुए विद्युत सज्जा, साउंड, डीजे एवं संबंधित कार्यों के सेवा शुल्क (रेट) में बढ़ोतरी करने का भी निर्णय लिया गया। संघ का कहना है कि बढ़ती लागत को देखते हुए यह निर्णय आवश्यक हो गया था। बैठक में शिव कुमार बनर्जी डेकोरेटर्स संघ महासचिव, मनोज कुमार, संदीप बनर्जी, सुभाष कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

नचितपुर पंचायत सचिवालय के पीछे लगे ट्रांसफार्मर की हुई चोरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। बाघमारा निचितपुर-2 पंचायत सचिवालय के पीछे लगे 25 केवी का बिजली ट्रांसफार्मर की चोरी हो गई। चोरों ने बड़ी ही शातिर तरीके से ट्रांसफार्मर को पोल से उखाड़ कर फरार हो गए। पंचायत सचिवालय जैसे स-ार्वजनिक और मुख्य स्थल के ठीक पीछे

से भारी-भरकम ट्रांसफार्मर गायब हो जाने से स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ट्रांसफार्मर चोरी हो जाने के कारण पूरे इलाके की बिजली की आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। बिजली न होने से स्थानीय लोगों को इस भीषण गर्मी में पेयजल संकट और रोजमर्रा के कार्यों में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना विद्युत विभाग और बरोरा पुलिस थाने को दी। सूचना पाकर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है और अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

विधायक राज सिन्हा ने धनबाद विधानसभा क्षेत्र में संगठननात्मक गतिविधि बढ़ाने की अपील की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा की अध्यक्षता में रविवार को उनके जगजीवन नगर आवासीय कार्यालय में बैठक हुई। इसमें धनबाद विधानसभा के संगठन महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा, तैयारियों एवं उनके सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला पदाधिकारियों, सभी मंडल अध्यक्षों, सभी मोर्चों के अध्यक्षों एवं प्रमुख कार्यकताओं के साथ विस्तृत चर्चा कर विशेष रणनीति बनाई गई। बैठक में विशेष रूप से संत शिरोमणि गुरु रविदासजी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे ₹श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान₹ के अंतर्गत 04

अगस्त को झारखंड प्रदेश से आने वाले विशेष कलश के धनबाद विधानसभा के सभी मंडलों में स्वागत तथा 05 अगस्त को जोड़ाफाटक राम मंदिर परिसर में आयोजित समरसता प्रसाद वितरण कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही 'हर घर तिरंगा' अभियान, विधानसभा के सभी मंडलों में प्रस्तावित भव्य तिरंगा यात्रा, तथा मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी एवं जनभागीदारी के साथ सफल बनाने हेतु विस्तृत रणनीति तैयार की गई। विधायक राज सिन्हा ने बैठक में कार्यकताओं को संगठन द्वारा निर्धारित सभी कार्यक्रमों को पूरी ऊर्जा, अनुशासन एवं समर्पण के साथ सफल बनाने का आह्वान किया . इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि, ₹भारतीय जनता

पार्टी समाज के अंतिम व्यक्ति तक राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और सेवा का संदेश पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के विचार आज भी समाज को समानता, सद्भाव और सामाजिक न्याय की प्रेरणा देते हैं। समरसता संकल्प अभियान के माध्यम से हम उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। आगामी सभी संगठनात्मक कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और संगठन की मजबूती का महाअभियान हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि धनबाद विधानसभा के सभी कार्यकर्ता अपनी सक्रिय भागीदारी से प्रत्येक कार्यक्रम को ऐतिहासिक सफलता प्रदान करेंगे तथा 'हर घर तिरंगा' अभियान और मतदाता सूची पुनरीक्षण में भी जनसहभागिता सुनिश्चित करेंगे। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संगठन द्वारा निर्धारित सभी कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा एवं उत्साह के साथ सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में मुख्य रूप से जिला महामंत्री मानस प्रसून, रूपेश सिन्हा, मुखिया रमेश सिंह, जिला मंत्री रीता यादव, मौसम सिंह, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम रंजन, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शेखर सिंह, भाजयुमो अध्यक्ष नित्यानंद मंडल, राजकिशोर जैना, मिडिया प्रभारी पंकज सिन्हा मंडल अध्यक्ष रंजय सिंह, गौतम सिंह, हुल्लास दास, इंद्रभूषण कुशवाहा, स-ुशील सिंह राजाराम दत्ता, सदानंद वर्णवाल, कपिलदेव पासवान, दिलीप सिंह, सुमन सिंह, सत्येंद्र ओझा, राणा सिंह, शंभू सिंह, सतीश रजक, कामदेव कुमार, बृजनंदन शर्मा सहित हजारों पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

03-08-2026 T.P. Page 4_Layout 1 03-08-2026 06:52 Page 1

संक्षिप्त खबरें

पलामू के नरेंद्र पांडेय बने वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में स्वतंत्र निदेशक

रांची (एजेंसी) : भाजपा नेता नरेंद्र कुमार पांडेय को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) का स्वतंत्र निदेशक बनाया गया है।वह पलामू के रहने वाले हैं।राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद कोयला मंत्रालय ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।उनकी नियुक्ति 15 जुलाई 2026 से प्रभावी होगी और उनका कार्यकाल तीन वर्ष का रहेगा। श्री पांडेय झारखंड के प्रतिष्ठित विधि विशेषज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता और सक्रिय सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्तित्व हैं।उन्हें विधि, जनसेवा और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में लंबे समय का अनुभव प्राप्त है।

पति का आरोप, रांची के युवक ने पत्नी को बहका कर ले गया साथ

रामगढ़ (एजेंसी) : पतरातू थाना क्षेत्र में एक विवाहिता के कथित अपहरण का मामला सामने आया है।जवाहरनगर, भुरकुंडा निवासी उपेंद्र लाल ने पतरातू थाना में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी तनु कुमारी को रांची के कांके थाना क्षेत्र के होचर निवासी कैफ अंसारी बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।आवेदन के अनुसार, 28 जुलाई की रात लगभग 1बजे कैफ अंसारी उनके घर पहुंचा और उनकी पत्नी को अपने साथ लेकर चला गया। काफी खोजबीन के बाद भी पत्नी का कोई पता नहीं चलने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत दर्ज करा-ई।शिकायत में आरोपी और विवाहिता दोनों के मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराए गए हैं।पीड़ित ने बताया कि उनकी इसी साल अप्रैल माह में हुई थी।उन्होंने पत्नी की सकुशल बरामदगी और आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है।पुलिस ने आवेदन के आधार पर बीएनएस की धारा 87 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मामले की जांच जारी है। यह आरोप शिकायतकर्ता के आवेदन पर आधारित हैं।पुलिस जांच के बाद ही तथ्य स्पष्ट होंगे।

खेत में काम कर रहीं तीन महिलाओं की वज्रपात से मौत, दो गंभीर घायल

रामगढ़ (एजेंसी) : पतरातू क्षेत्र में रविवार को हुई तेज बारिश, गर्जना और वज्रपात ने भारी तबाही मचाई।अलग-अलग गांवों में खेत में काम कर रही तीन महिलाओं की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि दो अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं।घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स रेफर किया गया।जानकारी के अनुसार, पतरातू प्रखंड के सांकूल गांव में खेत में काम करने के दौरान अचानक वज्रपात होने से रेखा देवी (48), पति भिखू राम तथा उनकी पुत्री रोशनी कुमारी (22), पिता भिखू राम इसकी चपेट में आ गईं।घटना के बाद ग्रामीणों ने दोनों को तत्काल पतरातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।मां-बेटी की एक साथ मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।वहीं, पलानी गांव में खेत में काम कर रहीं सुशांति देवी (30), पति सुरेंद्र उरांव, सुनीता देवी (32), पति अजय उरांव तथा कंचन कुमारी (20), पिता करिवा महली भी वज्रपात की चपेट में आ गईं।सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस की मदद से तीनों को पतरातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।यहां चिकित्सकों ने सुशांति देवी को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुनीता देवी और कंचन कुमारी की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया।

वज्रपात में तीन महिलाओं की मौत के बाद विस्थापित संघर्ष मोर्चा ने उठाई सुरक्षा व्यवस्था की मांग

रामगढ़ (एजेंसी) : पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) के विस्थापित एवं प्रभावित क्षेत्र के सांकूल और पलानी गांव में वज्रपात से तीन महिलाओं की मौत समेत दो लोगों के घायल होने की घटना के बाद विस्थापित प्रभावित संघर्ष मोर्चा ने प्रशासन और पीवीयूएनएल प्रबंधन से सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की मांग की है।रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में मोर्चा के अध्यक्ष आदित्य नारायण प्रसाद ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन शीघ्र मृतकों के आश्रितों एवं घायलों को उचित मुआवजा उपलब्ध कराए।मोर्चा ने दावा किया कि पूर्व में पीवीयूएनएल के तत्कालीन सीईओ आरके सिंह के साथ हुई बैठक में 25 विस्थापित एवं प्रभावित गांवों में सीएस-आर (सीडी) फंड से वज्रपात से बचाव के लिए तड़ित चालक (लाइटनिंग अरेस्टर) लगाने तथा चिकित्सा सुविधा के लिए निःशुल्क एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराने की मांग की गई थी।उस समय प्रबंधन ने इस दिशा में कार्रवाई का आश्वासन भी दिया था, लेकिन आज तक किसी भी गांव में तड़ित चालक नहीं लगाया गया।मोर्चा का कहना है कि यदि समय पर इन सुरक्षा उपायों को लागू किया गया होता तो इस तरह की दुखद घटना से बचा जा सकता था.संगठन ने आरोप लगाया कि सामुदायिक हित से जुड़े कार्यों की अपेक्षा अन्य मदों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है, जबकि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मोर्चा ने उपायुक्त रामगढ़ और पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी से मांग की है कि सभी 25 विस्थापित एवं प्रभावित गांवों में अविलंब तड़ित चालक लगाए जाएं तथा प्रत्येक गांव के लिए पीवीयूएनएल की ओर से निःशुल्क एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराई जाए, ताकि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जनहानि को कम किया जा सके।

साहिबगंज में मादक पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार, पूछताछ जारी

साहेबगंज (एजेंसी) : मादक पदार्थ के खिलाफ राधानगर पुलिस को एक और उपलब्धि हाथ लगी है।राधानगर पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र से रविवार को एक युवक को एमडीएमए मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है।सूत्रों के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के नासघाट -प्राणपुर मुख्य सड़क स्थित अकुंबन्ना उच्च स्तरीय पुल के पास एमडीएमए मादक पदार्थ की खरीद बिक्री हो रही है।गुप्त सूचना पर वरीय पदाधिकारी के निदेर्शानुसार छापेमारी दल का गठन किया गया।छापेमारी दल ने अकुंबन्ना स्थित उच्च स्तरीय पुल के पास अभियान चलाया।अभियान के दौरान एक युवक गिरफ्तार किया है.इस दौरान पुलिस को देख युवक भागने का प्रयास कर रहा था जिसे खदेड़कर पकड़ा गया है।गिरफ्तार युवक दक्षिण पलासगाछी पंचायत का रहने वाला बताया जा रहा है।युवक की तलाशी लेने पर कुछ नशीली पदार्थ जब्त होने की सूचना है।फिलहाल राधानगर पुलिस युवक से पूछताछ व आगे की कार्रवाई कर रही है।संबंध में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि वरीय पदाधिकारी के दिशा निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है।

बाबा होटल में देह व्यापार का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार,तीन लड़कियां भी मिली

कोडरमा (एजेंसी) : कोडरमा पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चंदवारा थाना क्षेत्र के उरवां मोड़ स्थित बाबा होटल में छापेमारी कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से तीन महिलाओं लड़कियों को भी मुक्त कराया है, जबकि एक ब्रोकर और होटल प्रबंधन से जुड़े दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 1 अगस्त की रात सूचना मिली थी कि बाबा होटल में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई।छापेमारी के दौरान पुलिस ने अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में नवादा (बिहार) निवासी रंजीत कुमार और बिरेन्द्र कुमार तथा कोडरमा निवासी मो. एहतेशाम शामिल हैं।ब्रोकर और होटल मैनेजर भी पकड़े गए

पुलिस ने देह व्यापार में मध्यस्थता करने के आरोप में उरवां निवासी कैलाश प्रसाद वर्मा को पकड़ा। इसके अलावा होटल मैनेजर रवि कुमार, निवासी गोरहंद मरकच्चो (गिरिडीह), को भी हिरासत में लिया गया।कार्रवाई के दौरान तीन पीड़ित महिलाओं को बरामद कर सुरक्षित मुक्त कराया गया। होटल से कंडोम, शराब और शराब की खाली बोतलें, सिगरेट, शक्तिवर्धक टैबलेट, मोबाइल फोन तथा होटल का आगंतुक पंजी जब्त किया गया। पुलिस ने तीन इस्तेमाल किए गए कंडोम भी बरामद किए हैं।होटल परिसर से दो चारपहिया वाहन और एक इलेक्ट्रिक स्कूटी भी जब्त की गई। जब्त वाहनों में बीआर 27टी 9407 नंबर की कार, जेएच 02बीयू 5943 नंबर की कार तथा जेएच 02बीवाई 5323 नंबर की इलेक्ट्रिक स्कूटी शामिल है।

पुलिस ने चंदवारा थाना में संबंधित धाराओं और अधिनियमों के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अवैध गतिविधि से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है और संलिप्तता पाए जाने पर विधिसम्मत कार्रवाई करने की बात कही है।होटल में जिस तरह से देह व्यापार का संचालन किया जा रहा था और स्थानीय पुलिस को भनक तक नहीं लगी उसको लेकर भी सवाल उठ रहे हैं बताया जाता है की एसपी के निर्देश पर तिलैया थाना की पुलिस ने करवाई की जबकी स्थानीय चंदवारा पुलिस को बाद में मामले की जानकारी दी गई। पुलिस ने जिस होटल में छापेमारी की है उसका संचालक गौरी शंकर वर्णवाल बताया जाता है।

योग सेवा केंद्र चास का 22 वाँ स्थापना दिवस सह वार्षिक उत्सव मनाया गया

बोकारो (एजेंसी) : जोधाडीह मोड़ चास स्थित रामरुद्र विद्यालय परिसर में चल रहे है निशुल्क योग सेवा केंद्र चास का रविवार को 22 वाँ स्थापना दिवस सह वार्षिक उत्सव के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद लोकसभा के सांसद ढुलू महतो व विशेष रूप से झारखंड आंदोलनकारी पार्वती महतो,हाबूलाल गोराई, सांसद प्रतिनिधि सह भाजपा नेता अमर स्वर्णकार, पूर्व पार्षद नरेश प्रसाद सहित अन्य उपस्थित हुए।अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।उपस्थित सदस्यों ने 22 वर्षों से निशुल्क सेवा दे रहे है योग गुरु सह प्रशिक्षक विजय कुमार को सम्मानित किया।सांस्कृतिक कार्यक्रमों और योग प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को योग व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।योग प्रस्तुत करने वाले बच्चों को सम्मानित भी किया गया।मौके पर सांसद श्री महतो ने करो योग, रहो निरोग का संदेश देते हुए दैनिक जीवन में योग को अपनाने पर जोर दिया।कहा कि नियमित योग के माध्यम से लोग दवाओं के बिना स्वस्थ और निरोग जीवन जी सकते हैं।स्थानीय लोगों की मांग पर सांसद ने निशुल्क योग सेवा केंद्र चास का जीर्णोद्धार कराने का आश्वासन दिया।योग गुरु विजय कुमार ने कहा कि पिछले दो दशक में इस निःशुल्क योग केंद्र से पांच हजार से ज्यादा लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया और उनका असाध्य रोग ठीक हुआ है।मौके पर नंदलाल,दिलीप, अशोक,राधेश्याम, सुरेंद्र वर्णवाल,राजनंदन सिन्हा,माला देवी, पुष्पा देवी, कल्याणी समेत कई महिला-पुरुष उपस्थित थे।

बीएयू में पीजी व पीएचडी में नामांकन के लिए परीक्षा आयोजित

टूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के स्नातकोत्तर एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा प्रभारी एवं बीएयू के स्नातकोत्तर संकाय के डीन डॉ रमेश कुमार ने बताया कि परीक्षा ओएमआर शीट पर हुई।इसका परिणाम 15 दिनों में घोषित कर दिये जाने की संभावना है।बीएयू में कृषि संकाय, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन संकाय तथा वानिकी संकाय के विभिन्न विभागों के मास्टर डिग्री और पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए यह प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गयी थी।कृषि अभियंत्रण महा-विद्यालय के विभिन्न विभागों में चलनेवाले एमटेक पाठ्यक्रम तथा कृषि व्यवसाय प्रबंधन केन्द्र में संचालित होनेवाले एमबीए (एग्री बिजनेस) में एडमिशन के लिए भी उम्मीदवार प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। कुलसचिव डॉ शैलेश चट्टोपाध्याय की देखरेख में परीक्षा निर्विघ्न संपन्न हुई। झारखंड के विभिन्न जिलों में अवस्थित बीएयू के 11 कॉलेज में से पांच में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन होता है।

65 वर्षीया शिबानी बोस ने किया रक्तदान, नेत्रदान का भी कराया पंजीकरण

पश्चिमी सिंहभूम (एजेंसी) : चक्रधरपुर में रविवार को आयोजित रक्तदान एवं नेत्रदान पंजीकरण शिविर में एक ऐसी प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई, जिसने वहां मौजूद हर व्यक्ति का दिल जीत लिया। सृष्टि अल्ट्रास-ाउंड एवं नेत्र चिकित्सालय तथा संत अंजला अस्पताल, चक्रधरपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में 65 वर्षीया शिबानी बोस ने न केवल रक्तदान किया, बल्कि नेत्रदान के लिए भी अपना पंजीकरण कराकर समाज के सामने सेवा और मानवता की अनूठी मिसाल पेश की।शिबानी बोस चक्रधरपुर की निवासी हैं।उनका इकलौता बेटा जयदीप बोस वर्तमान में रांची के बरियातू थाना में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत है। उम्र के इस पड़ाव पर जहां अधिकांश लोग स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तक सीमित हो जाते हैं, वहीं शिबानी बोस ने यह साबित कर दिया कि यदि मन में सेवा का भाव और हौसला हो, तो उम्र कभी बाधा नहीं बनती।शिविर में रक्तदान के बाद उन्होंने नेत्रदान पंजीकरण फॉर्म भरते हुए कहा, ह्लहौसले के आगे उम्र कोई मायने नहीं रखती।मैं चाहती हूं कि मेरे जाने के बाद भी मेरी आंखें इस

दुनिया को देखती रहें।उन्होंने अपनी प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि उनकी माता स्वप्न नंदी का 30 दिसंबर 2018 को कोलकाता में 76 वर्ष की आयु में निधन हुआ था।मृत्यु से पहले उन्होंने अपना नेत्रदान किया था। शिबानी बोस ने भावुक होते हुए कहा, ह्लमेरी मां ने अपने जीवन के अंतिम समय में भी दूसरों के लिए सोचा। उन्हीं से प्रेरित होकर मैंने नेत्रदान का निर्णय लिया है।उन्होंने आगे कहा, ह्लमैं यह नेत्रदान सिर्फ इसलिए कर रही हूं कि मेरे मरने के बाद मेरी आंखों से चार से छह लोग इस खूबसूरत संसार को देख सकें। यानी मैं भले इस दुनिया में न रहूं, लेकिन मेरी आंखें जीवित रहेंगी। किसी की रोशनी बनकर मैं भी कहीं न कहीं जिंदा रहूंगी।उनकी यह बात सुनकर शिविर में मौजूद चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, स्वयंसेवक और आम लोग भावुक हो उठे। कई लोगों ने कहा कि शिबानी बोस जैसी महिलाएं समाज को यह सिखाती हैं कि सच्ची मानवता केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्मों में दिखाई देती है।चक्रधरपुर के इस शिविर में शिबानी बोस का जज्बा केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं था, बल्कि यह एक संदेश था—ह्लजीवन का सबसे बड़ा दान वही है, जो किसी दूसरे के जीवन में उम्मीद, रोशनी और नई शुरूआत बन जाए।

सावन के प्रथम सोमवार पर चिड़का धाम के लिए उमड़ा आस्था का सैलाब, दामोदर से जल लेकर निकले सैकड़ों कांवरिये

बोकारो (एजेंसी) : सावन मास के बांग्ला पंचांग के अनुसार तीसरे तथा हिंदी पंचांग के अनुसार प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर पश्चिम बंगाल स्थित प्रसिद्ध बाबा गौरीनाथ (चिड़का) धाम में जलाभिषेक के लिए रविवार को आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। दामोदर नदी तट से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पवित्र जल भरकर बोल बम के जयघोष के साथ चिड़का धाम के लिए पैदल यात्रा शुरू की।इस दौरान एक श्रद्धालु 60 लीटर जल से भरी विशेष कांवर लेकर चिड़का धाम की ओर जाते हुए आकर्षण का केंद्र बना रहा।श्रद्धालु लगभग 40

किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर सोमवार को बाबा गौरीनाथ के दरबार में जलाभिषेक करेंगे।कांवरियों की सुविधा और सेवा के लिए पिंड्राजोरा के आ-ईटीआई मोड़ से लेकर पश्चिम बंगाल सीमा तक विभिन्न धार्मिक, सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय व्यवसायियों द्वारा सेवा शिविर लगाए गए।शिविरों में श्रद्धालुओं के बीच चाय, दूध, शीतल एवं गर्म पेयजल, फल, दवाइयां तथा अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया।आमतल मोड़ स्थित बजरंगबली मंदिर समिति, काशीझरिया श्रीराम मंदिर निर्माण समिति, एकता ग्रुप पारटांड़, पा-रटांड़ एवं कुरा के युवाओं सहित पिंड्राजोरा मोड़ के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने कांवरियों की सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लिया।सेवा शिविरों में श्रद्धालुओं का स्वागत कर उन्हें फल एवं अन्य खाद्य सामग्री वितरित की गई।

झारखंड में चार अगस्त से भाजपा की कलश वंदन यात्रा, 30 सांगठनिक जिलों के लिए रवाना होंगे रथ

रांची (एजेंसी) : संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा की ओर से चलाये जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत झारखंड में चार अगस्त से कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ होगा। इस दिन डिबडीह स्थित कार्निवल बैंक्वेट हॉल में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के बाद राज्य के सभी 30 सांगठनिक जिलों के लिए 30 सुसज्जित रथों को रवाना किया जायेगा। यह जानकारी भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने दी। श्री बाउरी ने बताया कि जिलों में पहुंचने के बाद यह कलश वंदन यात्रा मंडलों और पंचायतों से होते हुए सभी गांवों के मंदिरों तक पहुंचेगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य संत रविदास के समता, सेवा, भक्ति, सामाजिक न्याय और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।भाजपा नेता ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 29 जुलाई को संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी (काशी) से पवित्र मिट्टी युक्त कलश लेकर इस यात्रा की शुरूआत की गयी है, जो वर्तमान में झारखंड समेत विभिन्न राज्यों का भ्रमण कर रही है।श्री बाउरी ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से भाजपा समरसता और मानवता का संदेश लेकर झारखंड के कोने-कोने और गांव-गांव तक जायेगी।इस वृहद अभियान का विधिवत समापन संत रविदास की जन्म जयंती के अवसर पर 20 फरवरी को होगा।

संसद को भीड़ का हिस्सा ना बनाया जाए,परिसीमन पर सरकार को गंभीरता से सोचना चाहिए: सांसद सुखदेव भगत

लोहरदगा (एजेंसी) : देश में प्रस्तावित परिसीमन (डीलिमीटेशन) और लोकसभा सीटों की संभावित बढ़ोतरी को लेकर सियासी बहस तेज हो गई है। इस बीच लोहरदगा से कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रुख का खुलकर समर्थन करते हुए कहा कि संसद में सांसदों की संख्या बढ़ाना लोकतंत्र की मजबूती का उपाय नहीं है, बल्कि इससे व्यवस्था पर अनावश्यक बोझ बढ़ सकता है।संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए सुखदेव भगत ने कहा कि वह राहुल गांधी के विचारों से पूरी तरह सहमत हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोकसभा में 543 सदस्य हैं और सभी सांसदों को जनता के मुद्दे उठाने तथा अपने विचार रखने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। ऐसे में केवल सांसदों की संख्या बढ़ा देना किसी समस्या का समाधान नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पहले से ही बहुस्तरीय है। राज्यों की अपनी सरकारें हैं, वहीं ज़िला परिषद, नगर निगम और अन्य स्थानीय निकाय स्थानीय स्तर पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इसलिए प्रतिनिधित्व को केवल सांसदों की संख्या बढ़ाने तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। सुखदेव भगत ने संसद की भूमिका स्पष्ट करते हुए कहा कि संसद का मूल दायित्व देश के लिए राष्ट्रीय नीतियों का निर्माण करना है। विदेश नीति, आर्थिक नीति तथा संघ और समवर्ती सूची से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर और गुणवत्तापूर्ण बहस ही संसद की वास्तविक पहचान है। उन्होंने कहा कि यदि केवल संख्या बढ़ाने पर जोर दिया गया तो निर्णय प्रक्रिया और संसदीय व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती प्रतिनिधियों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी प्रभावी भागीदारी, जवाबदेही और राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक विमर्श से सुनिश्चित होती है। ऐसे में परिसीमन पर निर्णय लेते समय केवल सीटों की संख्या नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

2024 से खाली पड़े क्षेत्रीय निदेशक का पद भरा गया, नौ महीने बाद जिला पशुपालन पदाधिकारी की पोस्टिंग

हजारीबाग (एजेंसी) : हजा-रीबाग जिले में नये जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ अरुण प्रताप सिंह बने।इस संबंध में विभागीय अधिसूचना जारी हुई है। 31 अक्टूबर से स्थाई रूप में जिला पशुपालन पदाधिकारी का पद खाली रहने से सभी 16 प्रखंड सदर, दारू, टाटीझरिया, इचाक, विष्णुगढ़, पदमा, बरही, बड़कागांव, केरेडारी, कटकमदाग, कटकमसांडी, बरकट्ठा, चौपारण, चलकुसा, ड-ाडी एवं चुरचू में विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग प्रभावित हो गया था। काम चलाओ के तौर पर बरही गोरिया करमा प्रोजेक्ट के प्रबंधक डॉ संजीव कुमार प्रभारी जिला पशुपालन पदाधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं।इधर 2024 से खाली पड़े क्षेत्रीय निदेशक पद को भी भरा गया है। हजारीबाग प्रांतीय पशु औषधालय

में पशु शल्य चिकित्सक डॉ मुकेश कुमार सिंहा अब स्थाई क्षेत्रीय निदेशक होंगे।इससे पहले अपने काम के आलावा उन्हें प्रभारी क्षेत्रीय निदेशक बनाया गया था।क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय के अधीन उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी सात जिले हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, बोका-रो, धनबाद एवं रामगढ़ जिला शामिल हैं। 2024 से स्थाई क्षेत्रीय निदेशक के नहीं रहने से जुगाड़ माध्यम से सभी सातो जिलों में पशुपालन से जुड़े विभागीय कार्यों की मॉनिटरिंग में लगातार अनियमितता और लापरवाही की शिकायत से विभागीय अधिकारी परेशान थे। वहीं,पशुपालन से जुड़े महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ समय पर नहीं पहुंचने से बडी संख्या में किसान परेशान थे। इनमें प्रमुख रूप से शुकर विकास, बैकयार्ड मुर्गी, बकरा विकास, बत्तख चूजा सहित जोडा बैल वितरण कार्यक्रम से लेकर पशुओं की नियमित टीकाकरण की योजनाएं शामिल है

संक्षिप्त खबरें

पहाड़पुर स्टेशन पर स्टेशन मास्टर सीएस यादव को सेवानिवृत्त होने पर दी गई विदाई

भावुक विदाई समारोह में गया-कोडरमा रेलखंड के कई स्टेशनों से पहुंचे रेल अधिकारी व कर्मचारी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : पहाड़पुर रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर चंद्रशेखर यादव के सेवानिवृत्त होने पर रविवार को स्टेशन परिसर में भव्य विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में गया-कोडरमा रेलखंड के विभिन्न स्टेशनों से पहुंचे स्टेशन मास्टर, रेल अधिकारी, कर्मचारी, आरपीएफ जवान, स्थानीय नागरिक तथा यादव के परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उनकी माताजी, पत्नी और बच्चों की मौजूदगी ने समारोह को बेहद भावुक बना दिया। समारोह के दौरान कोडरमा, दिलवा, गुरपा, पहाड़पुर, टनकुप्पा, बंधुआ, बंसीनाला, बसकटवा, नाथगंज, लालबाग और गझंडी स्टेशनों के रेलकर्मियों ने सीएस यादव का पुष्पहार, गुलाल और अंगवस्त्र पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर उनकी दीर्घकालीन उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व में सेवानिवृत्त हो चुके कई स्टेशन मास्टर भी विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि चंद्रशेखर यादव ने पूरे सेवा काल में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और सौम्य व्यवहार की मिसाल कायम की। यात्रियों की सुविधा और रेल संचालन की सुरक्षा को उन्होंने हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके सहयोगी स्वभाव और कार्य के प्रति समर्पण ने उन्हें रेल परिवार में विशेष सम्मान दिलाया। वक्ताओं ने उनके स्वस्थ, सुखद और मंगलमय सेवानिवृत्त जीवन की कामना की। समारोह में मुख्य स्टेशन प्रबंधक विनोद कुमार सिन्हा, ट्रैफिक इंस्पेक्टर नीरज कुमार, सीटीआई कोडरमा बच्चा सिंह, बीके सिंह, सी मिंज, राहुल कुमार, रवि कुमार, अमोद कुमार, कृष्णा कुमार सहित अनेक रेल अधिकारी, कर्मचारी एवं आरपीएफ के जवान मौजूद रहे।

बाबाधाम की राह में थम गई श्रद्धा की डगर, महिला कांवरिया की मौत से गांव शोक में डूबा

सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर देवघर जा रही चमेली देवी की तबीयत बिगड़ने से मौत, शोक में डूबा गांव

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड के निमादोहर गांव निवासी अजय यादव की पत्नी चमेली देवी (40) की बाबाधाम यात्रा के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। रविवार सुबह जब उनका शव गांव पहुंचा तो पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों के बीच चीख-पुकार मच गई पैक्स अध्यक्ष कपिल यादव ने बताया कि चमेली देवी ढिबर क्षेत्र से करीब 200 श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए रवाना हुई थीं। निमादोहर गांव से एक बस में लगभग 50 श्रद्धालु सवार थे। सभी श्रद्धालुओं ने सुल्तानगंज से गंगाजल उठाकर देवघर की ओर पैदल यात्रा शुरू की थी। यात्रा के दौरान सुईया के पास पहुंचने पर चमेली देवी की तबीयत अचानक ज्यादा बिगड़ गई। साथ चल रहे परिजनों और श्रद्धालुओं ने उन्हें तत्काल नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना गांव पहुंचते ही मातम पसर गया। रविवार सुबह शव के घर पहुंचने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में उनके घर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। बाद में गया स्थित विष्णुपद श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। बाबाधाम यात्रा के दौरान हुई इस अप्रत्याशित घटना ने पूरे निमादोहर गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है।

20 महीने पुराने गुमशुदगी मामले में डीएनए से सुलझी मौत की गुत्थी

ब्रह्मपुर,(ईएमएस)। बक्सर के परमहंस प्रसाद के बेटे विमल कुमार की 20 महीने पुराने गुमशुदगी मामले का पटाक्षेप हो गया है। एक अज्ञात शव के कंकाल से डीएनए मैच करने के बाद युवक की मौत की पुष्टि हो गई। इसके बाद पिता ने अपने पुत्र का श्राद्ध किया। ठाणे रेलवे में ग्रुप डी पद पर कार्यरत ब्रह्मपुर निवासी विमल कुमार दिसंबर 2024 में रहस्यमय ढंग से लापता हो गए थे, जिसकी प्राथमिकी उनके जीजा दीपक कुमार ने 11 जनवरी 2025 को ठाणे रेल पुलिस में दर्ज कराई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करीब आठ महीने तक युवक का कोई सुराग पुलिस या परिवार को नहीं मिला था। मामले में मोड़ तब आया, जब आठ अगस्त 2025 को सर्विलांस के आधार पर ठाणे पुलिस ने रामगढ़ से एक किशोरी के पास से विमल का मोबाइल बरामद किया।

गुरुपदगिरि पर्वत की झाड़ियों में मिला नर कंकाल, रहस्य गहराया

चोटी से करीब 300 सीढ़ी नीचे झाड़ियों के किनारे पड़ा था कंकाल, पहचान अब तक नहीं

दुर्गंध महसूस होने पर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने पुलिस को दी सूचना

फॉरेंसिक टीम ने मौके से जुटाए वैज्ञानिक साक्ष्य, एक माह पुरानी मौत की आशंका

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड के गुरपा थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल गुरुपदगिरि पर्वत पर रविवार को नर कंकाल मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। कंकाल पहाड़ की चोटी से करीब 300 सीढ़ी नीचे झाड़ियों के किनारे पड़ा मिला। शव पूरी तरह कंकाल में बदल चुका था और मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस प्रारंभिक तौर पर करीब एक माह पूर्व मौत होने की आशंका जता रही है।

बताया गया है कि पिछले कुछ दिनों से पर्वत पर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को दुर्गंध महसूस हो रही थी। रविवार को लोगों ने दुर्गंध के स्रोत की तलाश की तो सीढ़ियों से कुछ दूरी पर झाड़ियों के बीच नर कंकाल दिखाई दिया। इसके बाद तत्काल गुरपा थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सर्किल इंस्पेक्टर ओम प्रकाश कुमार और गुरपा थानाध्यक्ष शिवनंदन कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस के अनुसार मृतक पैंट और टी-शर्ट पहने हुए था तथा कमर में बेल्ट बंधी हुई थी। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका है कि मौत लगभग एक माह पूर्व हुई होगी। मृतक की पहचान के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का मिलान किया जा रहा है। सर्किल इंस्पेक्टर ओम प्रकाश कुमार ने बताया कि घटना की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों को वैज्ञानिक परीक्षण के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मृतक की पहचान, उम्र और मृत्यु के कारणों के बारे में स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

बिहार में सफाई कर्मियों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी, पटना में कचरा संकट गहराया

नगर निगम ने आउटसोर्सिंग एजेंसियों पर 22.65 करोड़ रुपये का लगाया जुमार्ना

सफाई व्यवस्था के लिए पुलिस निगरानी में अभियान

पटना,(एजेंसी)। बिहार के नगर निकायों में सफाई कर्मियों की हड़ताल रविवार को चौथे दिन भी जारी रही। राजधानी पटना में सड़कों पर कचरे के ढेर लगने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में बदबू और गंदगी से हालात और भी चुनौतीपूर्ण हो गए हैं।

इस विकट स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार-शनिवार की रात पुलिस सुरक्षा में कई क्षेत्रों से कचरा उठवाया गया। पटना नगर निगम ने सफाई व्यवस्था प्रभावित होने पर आउटसोर्सिंग एजेंसियों पर 22.65 करोड़ रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है और उनसे स्पष्टीकरण भी मांगा है। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने मीडिया को बताया कि पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी में सफाई कार्य कराया जा रहा है। प्रत्येक वार्ड में अतिरिक्त कर्मियों की व्यवस्था, आवश्यक वाहनों को किराये पर लेने तथा सफाई व्यवस्था के लिए प्रति वार्ड 10 हजार रुपये उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

वहीं दूसरी तरफ हड़ताल के दौरान सफाई के काम में लगे अन्य कर्मियों को धमकाने और वाहनों को नुकसान पहुंचाने की शिकायतों के बाद संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं, प्रदर्शन को देखते हुए मौर्य लोक परिसर में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 भी लागू कर दी गई है।

अंतरराज्यीय लूट गिरोह का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार, हथियार और कारतूस बरामद

सासाराम/ डेहरी-ऑन-सोन, (एजेंसी) : रोहतास पुलिस ने डेहरी में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अंतरराज्यीय संगठित अपराध गिरोह का पदार्फाश किया है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, 1 अगस्त की शाम मिली गुप्त सूचना के आधार पर डेहरी नगर थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन रोड स्थित सुपर इंडिया होटल में छापेमारी की गई। सूचना थी कि दूसरे राज्य से आए कुछ संदिग्ध लोग होटल में ठहरकर किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1, डेहरी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम में डिहरी नगर थाना और डीआइयू रोहतास के जवान शामिल थे। टीम ने होटल के कमरा संख्या 108 और 113 की तलाशी ली। कमरा 108 से सुरेश दास उम्र 22 वर्ष, माईकल आकाश उम्र 25 वर्ष, माईकल रोहित उम्र 24 वर्ष और एक विधि-विरुद्ध बालक को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक अवैध देशी पिस्टल, दो खाली मैगजीन, छह जिंदा कारतूस, लोहे का फाइटर, डिक्की का लॉक तोड़ने वाले दो टी-आकार के औजार और दो अलग-अलग वाहन नंबर प्लेट बरामद हुईं।

पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उनके दो साथी सतीश दास और टी. अर्जुन कमरा 113 में रुके हैं और पिछले महीने कैमूर में हुई आपराधिक घटना में शामिल थे। इसके बाद पुलिस ने वहां भी छापा मारकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई के लिए कैमूर नगर थाना को सुपुर्द कर दिया।

गया जी :सेवानिवृत्त वाणिज्य पर्यवेक्षक अख्तर हुसैन को दी गई भावभीनी विदाई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया जी: गया जंक्शन के बुकिंग कार्यालय में रविवार की शाम सेवानिवृत्त वाणिज्य पर्यवेक्षक अख्तर हुसैन के सम्मान में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। अख्तर हुसैन 1 जुलाई 2026 को भारतीय रेल की सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके सम्मान में न्यू बिल्डिंग टिकट बुकिंग कार्यालय के ऊपर आयोजित समारोह में रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहकर्मियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और उनके लंबे, समर्पित एवं अनुकरणीय सेवाकाल को याद किया।

समारोह में डीडीयू रेल मंडल के सहायक वाणिज्य प्रबंधक बिजेंद्र कुमार, वाणिज्य पर्यवेक्षक (सामान्य) शैलेश कुमार, मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक रंजीत कुमार, आरक्षण पर्यवेक्षक मसूद अख्तर, वाणिज्य यातायात निरीक्षक, वाणिज्य पर्यवेक्षक (सामान्य) सहित अनेक रेलकर्मी एवं यूनियन नेता मिथिलेश कुमार उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने अख्तर हुसैन की कार्यनिष्ठा, सरल व्यवहार और यात्रियों के प्रति उनकी संवेदनशील कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सेवाकाल में पूरी ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन किया।

वक्ताओं ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन से युवा रेलकर्मियों को आगे भी प्रेरणा मिलती रहेगी। इस अवसर पर उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में सभी ने अख्तर हुसैन के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।

कम वर्षा के बीच किसानों को 12 घंटे निर्बाध बिजली देना सरकार की प्राथमिकता में: डॉ प्रेम

गया जी(एजेंसी) :बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि कम वर्षा की स्थिति में किसानों को राहत पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अगस्त से अक्टूबर तक गया जिले सहित पूरे बिहार में किसानों को प्रतिदिन 12 घंटे गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं ताकि सिंचाई कार्य प्रभावित न हो और धान सहित अन्य फसलों की खेती सुचारु रूप से जारी रह सके।

दो दिनों से विधानसभा अध्यक्ष ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का किया दौरा

पिछले दो दिनों से गया जिले के टनकुप्पा, फतेहपुर सहित विभिन्न प्रखंडों का भ्रमण कर रहे विधानसभा अध्यक्ष ने किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है और सिंचाई, खाद, बिजली तथा पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को हर हाल में उपलब्ध कराया जाएगा।बेलागंज,वजीरगंज,

टनकुप्पा, फतेहपुर समेत अन्य प्रखंडों में डॉ प्रेम कुमार ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सिंचाई व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, पेयजल, खाद की उपलब्धता तथा कृषि कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी गांव में बिजली या सिंचाई से जुड़ी समस्या की शिकायत मिलने पर उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही किसानों को उर्वरक की उपलब्धता और सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसके लिए भी आवश्यक कदम उठाने को कहा।

दरभंगा पहुंचीं कांग्रेस की फैक्ट फाइंडिंग टीम, नीट छात्र आंदोलन में दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग

दरभंगा,(एजेंसी) : नीट परीक्षा को लेकर हुए छात्र आंदोलन के दौरान छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस की फैक्ट फाइंडिंग टीम बिहार के विभिन्न जिलों का दौरा कर रही है। टीम प्रभावित छात्रों, उनके परिजनों और स्थानीय प्रशासन से मुलाकात कर घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। कांग्रेस ने आंदोलन के दौरान छात्रों पर दर्ज सभी प्राथमिकी (एफआईआर) वापस लेने की मांग की है। इसी क्रम में शनिवार देर शाम कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत दरभंगा पहुंचीं। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात कर छात्र आंदोलन के दौरान दर्ज मामलों की समीक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर दर्ज एफआईआर वापस ली जानी चाहिए और उन्हें राहत प्रदान की जानी चाहिए। सुप्रिया श्रीनेत ने इस दौरान केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छात्रों के मुद्दों पर सरकार को जवाब देना चाहिए। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री को छात्रों से जुड़े गंभीर सवालों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया गया और छात्रों के साथ कठोर व्यवहार किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि आंदोलन के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग हुआ है, तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। कांग्रेस की फैक्ट फाइंडिंग टीम का कहना है कि वह विभिन्न जिलों से तथ्य जुटाकर अपनी रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को सौंपेगी। इसके आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी। वहीं, जिला प्रशासन की ओर से इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

गया जंक्शन से चार चोरी के मोबाइल के साथ तीन दबोचा गया

आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई, बरामद मोबाइलों की कीमत करीब 80 हजार रुपये

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत कार्रवाई करते हुए रविवार को यात्रियों से चोरी किये गए चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस दौरान दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया तथा चोरी में शामिल एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई गई है।

सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह ने बताया कि वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर के निर्देश पर आरपीएफ की टीम जीआरपी टीम के साथ संयुक्त जांच अभियान की जा रही है। टीम ने प्लेटफॉर्म संख्या-1 के दिल्ली छोर स्थित यात्री शेड में गश्त कर रही थी। इसी दौरान तीन संदिग्ध युवक पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। संदेह होने पर उन्हें पकड़कर पूछताछ की गई। उनकी पहचान रोहतास निवासी राकेश कुमार (24), गया निवासी रोहित रोहाना (20) तथा एक 15 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके पास से पोको, रेडमी, सैमसंग और रियलमी कंपनी के कुल चार मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में तीनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर मोबाइल चोरी किए थे। इसके बाद पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कर आरोपितों को जीआरपी थाना के हवाले कर दिया गया।

आरा-बैरिया ग्रीनफील्ड फोरलेन परियोजना को मिली रफ्तार, 20 गांवों में 96 हेक्टेयर जमीन का होगा अधिग्रहण

आरा, (एजेंसी) :बिहार और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाली महत्वाकांक्षी आरा-बैरिया ग्रीनफील्ड फोरलेन हाइवे परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। प्रस्तावित फोरलेन के निर्माण के लिए आरा सदर और बड़हरा अंचल के 20 गांवों में करीब 96 हेक्टेयर भूमि अधिगृहित की जाएगी। भू-अर्जन कार्यालय और संबंधित विभाग ने अधिग्रहण से पहले जमीन के खेसरा, रकबा और राजस्व अभिलेखों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, अभिलेखों के सत्यापन के बाद संबंधित भूखंडों का मौके पर भौतिक निरीक्षण किया जाएगा। इसके बाद इसी माह के अंत अथवा अगले माह की शुरूआत तक अधिग्रहित की जाने वाली भूमि का गजट प्रकाशित किए जाने की संभावना है। गजट प्रकाशन के बाद किसानों से आवश्यक दस्तावेज लिए जाएंगे, दावा-आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा और फिर मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शुरू होगी।

परियोजना के तहत आरा सदर अंचल में लगभग 51 हेक्टेयर तथा बड़हरा अंचल में करीब 45 हेक्टेयर

बीएसयूएससी ने जारी किया छह विषयों का अंतिम रिजल्ट, 211 नए डिग्री कॉलेजों में 2,498 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति का रास्ता साफ

पटना,(एजेंसी) : बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (बीएसयूएससी) ने राज्य के 211 नए डिग्री कॉलेजों में संविदा आधारित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया में बड़ा कदम उठाते हुए छह विषयों का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग ने शनिवार को अंग्रेजी, हिंदी, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र विषयों की चयन सूची तथा श्रेणीवार कट-ऑफ अंक जारी कर दिए। इसके साथ ही हजारों अभ्यर्थियों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार समाप्त हो गया। आयोग के अनुसार, प्रत्येक विषय में 422 पद निर्धारित किए गए थे। इस तरह छह विषयों में कुल 2,532 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही थी। इनमें से 2,498 पदों का अंतिम परिणाम जारी कर दिया गया है, जबकि कुछ पद फिलहाल होल्ड पर रखे गए हैं या योग्य अभ्यर्थियों के अभाव में रिक्त रह गए हैं।

बीएसयूएससी ने स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह अभ्यर्थियों के शैक्षणिक अंकों और साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के संयुक्त मेरिट के आधार पर संपन्न की गई है। उच्च शिक्षा विभाग के अधीन स्थापित 211 नए डिग्री कॉलेजों में नियुक्ति के लिए आयोग ने 3 जुलाई 2026 को विज्ञापन जारी किया था। इसके बाद 21 से 26 जुलाई तक सभी छह विषयों के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया गया। इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोग ने रिकॉर्ड समय में अंतिम परिणाम जारी कर दिया। अब चयनित अभ्यर्थियों की मेरिट सूची संबंधित विश्वविद्यालयों को भेजी जाएगी, जहां दस्तावेजों के सत्यापन के बाद नियुक्ति की आगे की प्रक्रिया पूरी होगी।

अनारक्षित (यूआर) वर्ग में सबसे अधिक कट-ऑफ हिंदी विषय का रहा। हिंदी में चयन के लिए 81.3 अंक का कट-ऑफ निर्धारित किया गया है। इसके बाद राजनीति विज्ञान दूसरे स्थान पर रहा। यूआर वर्ग का विषयवार कट-ऑफ इस प्रकार है-

आयोग ने सामान्य वर्ग के अलावा ईडब्ल्यूएस, बीसी, ईबीसी, एससी, एसटी तथा अन्य आरक्षण श्रेणियों के लिए भी अलग-अलग कट-ऑफ अंक जारी किए हैं। अभ्यर्थी अपनी श्रेणी के अनुसार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर कट-ऑफ देख सकते हैं।

अधिकांश पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन कुछ सीटें अभी भी खाली रह गई हैं। आयोग के अनुसार, योग्य उम्मीदवार उपलब्ध नहीं होने के कारण कुछ आरक्षित श्रेणियों के पदों पर नियुक्ति नहीं हो सकी। विषयवार रिक्त पदों में अंग्रेजी के 9, अर्थशास्त्र के 11, समाजशास्त्र के 10 और हिंदी के 4 पद शामिल हैं। इसके अलावा समाजशास्त्र विषय में यूआर, बीसी और ईबीसी वर्ग के एक-एक पद को फिलहाल होल्ड पर रखा गया है। इन पदों पर आगे आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्णय लिया जाएगा।

आयोग के अनुसार, समाजशास्त्र विषय में अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग का एक पद योग्य अभ्यर्थी नहीं मिलने के कारण रिक्त रह गया। वहीं दिव्यांग श्रेणी में भी कई पद खाली रह गए। डीडी (श्रवण एवं वाक दिव्यांग) श्रेणी के छह तथा वीआई (दृष्टिबाधित) श्रेणी के तीन पदों पर योग्य उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हो सके। अन्य विषयों में भी बहु-दिव्यांग (एमडी) और कुछ विशेष आरक्षित श्रेणियों के पद रिक्त हैं, जिन पर विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार आगे निर्णय लिया जाएगा।

संपादकीय

जेन-जी आंदोलन का असर न्यायपालिका पर?

जंतर मंतर पर हुए जेन-जी आंदोलन का असर पहले जेन-अल्फा पर देखने को मिला है। इसके बाद बाद जिस तरह से न्यायपालिका के बारे में युवा मुखर होकर अपनी बात सोशल मीडिया पर कहने लगे हैं, उससे अंदेशा है कि न्यायपालिका भी निशाने पर आ गई है। कॉकरोच शब्द पहली बार सुप्रीम कोर्ट के अंदर से ही निकला था। यह मामला इतना बड़ा हो जाएगा, इसे ना तो सरकार ने सोचा था ना ही न्यायपालिका ने सोचा था, लेकिन जिस तरह से बिना किसी डर और भय के सोशल मीडिया के माध्यम से युवा अपनी बात कह रहे हैं। इसका असर देश के सभी वर्गों पर पढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जवल भुइयां द्वारा न्यायपालिका में कॉलेजियम की कार्यप्रणाली को लेकर तीखे सवाल किए गए हैं। उसके बाद से यह मामला भी तूल पकड़ने लगा है। सुप्रीम कोर्ट अथवा न्यायपालिका में कॉलेजियम द्वारा पहले जजों की नियुक्ति के समय जो अनुशंसा की जाती थीं, उसके कारण भी कॉलेजियम में बताए जाते थे। लेकिन पिछले कुछ समय से कॉलेजियम में जो अनुशंसा की जा रही है उनमें चयन का आधार और उसके कारणों की स्पष्टता नहीं होने से सरकार और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा जो निर्णय जजों की नियुक्ति के लिए लिए जा रहे हैं उनकी पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट में ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले कुछ समय से सरकार कॉलेजियम की अनुशंसा को दरकिनार करते हुए मनमाने तरीके से जजों की नियुक्ति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कर रही है। कई जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज करते हुए तथा ट्रांसफर पोस्टिंग के माध्यम से जजों को सीनियर से जूनियर बनाने और अपने इच्छित व्यक्ति को जज बनाने के लिए कॉलेजियम और सरकार के बीच में जो सांठ-गांठ हो रही है उसके बारे में अब सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज भी खुलकर बोलने लगे हैं। कॉलेजियम में शामिल जजों द्वारा जो डीसेंट नोट दिया जाता था उसे भी सार्वजनिक नहीं किए जाने पर जस्टिस नागरत्ना द्वारा आपत्ति जताई गई थी, लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार करते हुए जजों की नियुक्ति मनमाने तरीके से हो रही है। इसको लेकर अब सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों के बीच में जिस तरह की मुखरता के साथ अपनी बात कही जा रही है न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर अब खुद न्यायपालिका के अंदर से आवाज उठ रही है।

न्यायपालिका का जो डर और भय था लगता है जेन-जी और जेन-अल्फा द्वारा बिना किसी डर और भय के जिस तरह से सड़कों पर आकर अपनी बात कही जा रही है उसने सभी वर्गों का डर और भय निकालने का काम किया है। देशभर में चारों ओर से निष्पक्षता की बात होने लगी है।

लगन का अर्थ उन्नीस बार विफल होने के बाद 20वीं बार सफल होना।

:जे एंड्रयूज

अपने सपनों को साकार करने का सर्वश्रेष्ठ तरीका है कि आप जाग जाएं।

: पॉल वैलेरी

सनातन और हिन्दुओं की आस्था से खिलवाड़ का खतरनाक सिलसिला

बात 28 मई 1996 की है। लोकसभा में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी अपनी सरकार के लिए विश्वास मत हासिल करने के दौरान संसद में भाषण दे रहे थे। इसी भाषण में उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को राम मंदिर/अयोध्या मुद्दे पर चेताया था कि आपको बीजेपी से लड़ना है, राम से मत लड़िए। उसी दौरान पीछे बैठे किसी सांसद की तरफ से आवाज आई कि 'राम से लड़ोगे तो निपट जाओगे।' जैसी टिप्पणी का उल्लेख भी वायरल रूप में मिलता है, लेकिन यह शब्द कहने वाले का चेहरा सामने नहीं आया। परंतु हकीकत यही रही कि कांग्रेस प्रभु श्री राम से लड़ते-लड़ते अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गई है। कांग्रेस ने कभी राम के अस्तित्व को नकारा तो कभी राम सेतु के बारे में गलत बयानी की। यहां तक कि कांग्रेस के नेता और प्रधानमंत्री अयोध्या जाने तक से कतराते थे। अयोध्या जाते भी तो प्रभु श्री राम के दर्शन नहीं करते थे। यही क्रम आज भी चल रहा है। रामलला के मंदिर में चंदा चोरी की घटना के नाम पर आज भी कांग्रेस ऐसा ही कर रही है। चंदा चोरी के बहाने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने सनातन और हिन्दुओं की आस्था को तार-तार करने की सभी हदें पार कर ली हैं।अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किए जाने वाले चढ़ावे और दानपात्र से हुई कथित गड़बड़ी का मुद्दा इस समय देश की राजनीति के केंद्र में है। जहां एक तरफ अयोध्या में ट्रस्ट और पुलिस प्रशासन इस पूरे मामले की गहन जांच में जुटा है और विशेष जांच टीम गठित कर संदिग्ध कर्मचारियों व सेवादारों की भूमिका खंगाल रही है, वहीं दूसरी ओर सनातन प्रेमी जनता और साधु-संतों में इस बात को लेकर भारी रोष है कि जांच के निष्कर्षों की प्रतीक्षा किए बिना संपूर्ण साधु समाज और सनातन परंपरा को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। अयोध्या के सम्मानित संतों का स्पष्ट कहना है कि किसी भी मंदिर परिसर में यदि कोई आपराधिक तत्व या कर्मचारी गलत कार्य में लिप्त पाया जाता है, तो उसे कठोरतम दंड मिलना चाहिए, लेकिन उस बहाने भारत की हजारों वर्ष पुरानी साधु-संत परंपरा और भगवा वस्त्रों का राजनीतिक तमाशा बनाना सर्वथा अनुचित है।

संसद के मानसून सत्र के दौरान जिस प्रकार का दृश्य देखने को मिला, उसने पूरे देश के सनातन प्रेमी समाज को स्तब्ध और आक्रोशित कर दिया है। संसद परिसर के मकर द्वार पर पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को भगवा वस्त्र पहनाकर, माथे पर तिलक लगाकर और हाथ में दानपात्र थमाकर एक साधु की वेशभूषा में बैठाया गया। इसके बाद विपक्ष के नेताओं द्वारा एक पूर्वनियोजित नाटक (स्किट) मंचित किया गया, जिसमें तथाकथित साधु रूपी सांसद को दानपेटी में आए पैसों को अपनी जेब में डालते और फिर दानपात्र लेकर भागते हुए दिखाया गया। इस पूरे राजनीतिक नाटक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव, सपा के अयोध्या (फैजाबाद) से सांसद अवधेश प्रसाद समेत 'इंडिया' गठबंधन के कई प्रमुख नेताओं और कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। राहुल गांधी ने उस नाटक में बाकायदा दान देने का अभिनय किया, जिसके बाद अखिलेश यादव की पार्टी के नेताओं और अन्य विपक्षी सहयोगियों ने इस पूरे घटनाक्रम का आनंद लेते हुए नारेबाजी की।इस पूरे प्रकरण पर जब समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर इस प्रदर्शन का समर्थन किया, तो देश भर के अखाड़ों, विद्वानों और नागरिकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। जनमानस का मानना है कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराने के अनेक संवैधानिक और मर्यादित तरीके मौजूद हैं। परंतु भारत के सर्वोच्च विधायी सदन, संसद भवन के परिसर का उपयोग इस प्रकार के निम्नस्तरीय नाटकों और भगवाधारी संतों की छवि को 'चोर' के रूप में चित्रित करने के लिए करना संसदीय मयार्दाओं का चीर-हरण है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सदन और उसके परिसर में इस प्रकार वेश बदलकर नौटंकी करने पर अपनी सख्त नाराजगी जताई और स्पष्ट शब्दों में कहा कि संसद भवन देश के नीतिगत मुद्दों और जनसमस्याओं पर चर्चा के लिए है, न कि इस तरह के तमाशों के लिए। कानूनी विशेषज्ञों और संतों का मानना है कि धार्मिक प्रतीकों, भगवा वस्त्रों और साधु वेश का सार्वजनिक अपमान कर करोड़ों सनातनियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इस कृत्य पर सर्वोच्च अदालत को स्वयं संज्ञान लेते हुए कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी राजनीतिक लाभ के लिए देश की आस्था का ऐसा उपहास न उड़ाया जा सके।

सनातन धर्म और उसकी परंपराओं को कटघरे में खड़ा करने या उनके खिलाफ रणनीतिक बयानबाजी करने का विपक्ष का यह कोई पहला प्रयास नहीं है। इतिहास साक्षी है कि पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक लाभ साधने के लिए कई बार ऐसी बयानबाजियां की गईं, जिनसे बहुसंख्यक समाज की आस्था को ठेस पहुंची। 'भगवा आतंकवाद' जैसा भ्रामक शब्द गढ़ने से लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों पर विवादित टिप्पणियां करने और उसकी प्रतियों को जलाने तक का घटनाक्रम देश ने देखा है। तमिलनाडु में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना 'मलेरिया, डेंगू और कोरोना' से करते हुए इसे मिटाने का आह्वान करना और उस पर कांग्रेस व अन्य विपक्षी सहयोगियों की चुप्पी या अप्रत्यक्ष समर्थन, सनातन के प्रति उनकी सोच को उजागर करता है। कभी प्रभु श्री राम के अस्तित्व को अदालत में 'काल्पनिक' बताने वाला हलफनामा देना, तो कभी अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण के समय उसे केवल राजनीतिक चुनावी मुद्दा बताकर उसका बहिष्कार करना; यह पूरी श्रृंखला दशार्ती है कि विपक्ष का एक वर्ग वैचारिक रूप से सनातन प्रतीकों के प्रति आक्रामक रहा है।संसद के इस हालिया प्रदर्शन में एक और पहलू ने देश की जागरूक जनता को गहराई से सोचने पर मजबूर किया है। वह है गैर-हिंदू और मुस्लिम नेताओं की इस तरह के धार्मिक प्रतीकों से जुड़े विरोध प्रदर्शनों में सक्रिय भागीदारी।

जब भी किसी अन्य धर्म या संप्रदाय के प्रतीकों, मान्यताओं या वेशभूषा की बात आती है, तो विपक्ष की ओर से सहिष्णुता, गंगा-जमुनी तहजीब और धार्मिक संवेदनशीलता के लंबे-चौड़े भाषण दिए जाते हैं। परंतु जब भगवा वस्त्र, साधु वेश और राम मंदिर जैसे विषय आते हैं, तो वही नेता अन्य धर्मों के सहयोगियों को साथ लेकर सार्वजनिक मंचों पर उनका उपहास उड़ाने में तनिक भी संकोच नहीं करते। किसी गैर-हिंदू नेता द्वारा सनातन धर्म के पूज्य प्रतीकों का मजाक उड़ाते हुए ताली बजाना या उस नाटक का हिस्सा बनना हिंदू समाज के भीतर एक गहरा अविश्वास पैदा करता है। यह दोहरा मापदंड न केवल समाज के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा केवल एक विशेष धर्म की आस्थाओं का अपमान करने तक ही सीमित रह गई है?अयोध्या के मुख्य अर्चक, अखाड़ा परिषद और काशी-मथुरा के प्रमुख संतों ने इस घटना के बाद एक स्वर में कहा है कि यदि राम मंदिर के किसी दानपात्र या प्रबंधन में कोई वित्तीय अनियमितता हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच हो और दोषी, चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे जेल भेजा जाए। संत समाज स्वयं पारदर्शिता का पक्षधर है। लेकिन इस घटना की आड़ लेकर पूरी संत परंपरा को भ्रष्ट, लुटेरा और चंदा चोर साबित करने की जो साजिश संसद के प्रांगण में रची गई, वह अक्षम्य है। जिस साधु वेश ने भारत को चरित्र, त्याग, ज्ञान और विश्व बंधुत्व का संदेश दिया, उस भगवा को संसद के मुख्य द्वार पर 'चोरी का प्रतीक' बनाकर पेश करना भारतीय संस्कृति पर सीधा प्रहार है। देश का सनातन प्रेमी समाज आज विपक्ष से यह सीधा प्रश्न पूछ रहा है कि आखिर राजनीतिक वैमनस्य में अंधे होकर देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आत्मा पर वार करने का यह सिलसिला कब थमेगा?

अजय कुमार,

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अरुण यादव की सादगी में छिपी है मध्य प्रदेश कांग्रेस की नई सुबह

राजनीतिक विरासत उपाधियों या पारिवारिक पहचान से नहीं, जनविश्वास, वैचारिक दृढ़ता और जनसंघर्ष से निर्मित होती है। कुछ व्यक्तित्व इतिहास तक सीमित नहीं रहते, बल्कि युगों तक समाज की दिशा तय करने वाली चेतना बन जाते हैं। उनके सिद्धांत और कर्म पीढ़ियों को प्रेरित करते हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस का 2023 के विधानसभा चुनाव में 66 सीटों तक सिमटना और 2024 के लोकसभा चुनाव में खाता न खोल पाना केवल चुनावी पराजय नहीं, बल्कि घटते जनाधार और संगठनात्मक शिथिलता का संकेत है। ऐसे समय निमाड़ की जनोन्मुख राजनीतिक परंपरा स्मरण हो उठती है, जिसने सत्ता को विशेषाधिकार नहीं, लोकसेवा का माध्यम माना। सुभाष यादव की दूरदृष्टि, अरुण यादव की संगठन क्षमता और सचिन यादव की संघर्षशीलता से निर्मित यह विरासत कांग्रेस के लिए केवल गौरवशाली अतीत नहीं, पुनरुत्थान की आधारशिला बन सकती है।

सुभाष यादव आज हमारे बीच नहीं हैं, किंतु उनकी सोच आज भी निमाड़ की धरती, खेतों की मेड़ों और किसानों के विश्वास में जीवित है। उन्होंने राजनीति को सत्ता नहीं, जनसेवा तथा सहकारिता को ग्रामीण समृद्धि का आधार बनाया। वर्ष 1971 में ग्राम बोरावां की प्राथमिक सेवा सहकारी समिति से आरंभ हुई उनकी यात्रा मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष पद तक पहुँची, जहाँ उन्होंने सहकारी संस्थाओं को सशक्त कर किसानों की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दी। उपमुख्यमंत्री के रूप में कृषि, सहकारिता और नर्मदा घाटी विकास विभागों का दायित्व निभाते हुए उन्होंने किसान को नीति के केंद्र में रखा। निमाड़ की सिंचाई, कृषि समृद्धि और ग्रामीण विकास को लेकर उनकी दूरदृष्टि कृषक कल्याण आयोग के 888 सुझावों में स्पष्ट झलकती है। उनके नेतृत्व में सहकारी समितियों ने किसानों के लिए ऋण और विपणन व्यवस्था को सुदृढ़ किया। निमाड़ की काली मिट्टी और नर्मदा को उन्होंने विकास की धुरी मानते हुए स्थायी कृषि व्यवस्था की नींव रखी।

सुभाष यादव की इसी परंपरा को अरुण यादव और सचिन यादव ने अपने संघर्ष से आगे बढ़ाया। अरुण यादव ने इसे पहचान नहीं, संगठन और जनविश्वास की शक्ति बनाया। वर्ष 2014 से 2018 तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते उन्होंने ऐसे समय संगठन का नेतृत्व किया, जब पार्टी को जमीनी मजबूती की आवश्यकता थी। उन्होंने कार्यकताओं, किसानों और पिछड़े वर्गों से सीधा जुड़ाव मजबूत किया तथा निमाड़ में कांग्रेस का जनाधार बनाए रखने का प्रयास किया। वर्ष 2011 में केंद्रीय कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री के रूप में उन्होंने कृषि, फसल प्रसंस्करण और किसान कल्याण को प्राथमिकता दी, जिसका सकारात्मक प्रभाव निमाड़ के कृषि क्षेत्र पर पड़ा। उनकी राजनीति पदलिप्सा नहीं, दायित्वबोध से प्रेरित रही। उन्होंने कभी पद की आकांक्षा नहीं जताई, बल्कि पार्टी और जनसेवा को सर्वोपरि रखा। उन्होंने संगठन को केवल चुनाव तक सीमित नहीं रखा, बल्कि समाज से उसका जुड़ाव मजबूत किया। किसानों और पिछड़े वर्गों से उनका सीधा संवाद पार्टी के जनाधार का आधार बना। उनकी पहचान दिखावे से नहीं, शांत और परिणाममुखी कार्यशैली से रही।

अरुण यादव ने अपनी स्वच्छ छवि, सादगी और संयमित कार्यशैली से विश्वास अर्जित किया। वे सदैव विवादों से दूर रहे और उनके लिए उपलब्धि का आधार चर्चा नहीं, कार्य रहा। निमाड़ में शिक्षा, किसान हित और जनसरोकार उनकी प्राथमिकता रहे। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सचिन यादव ने विधानसभा में किसानों के मुद्दे मुखरता से उठाए। पूर्व कृषि मंत्री के रूप में उन्होंने 'जय किसान ऋण मुक्ति योजना' के माध्यम से किसानों का ऋणभार कम करने का प्रयास किया। बिजली संकट, खाद की कमी और न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसे मुद्दों पर उनकी आवाज किसान हितों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण रही। यही जनसरोकार यादव परिवार की राजनीति को चुनाव तक सीमित नहीं रखते, बल्कि किसानों के अटूट विश्वास से जोड़ते हैं। सचिन यादव ने विधानसभा के भीतर और बाहर किसानों की पीड़ा को मुखरता से उठाया। उनके मुद्दे केवल आलोचना नहीं, समाधान की दिशा भी दिखाते रहे। यही प्रतिबद्धता यादव परिवार की राजनीति को व्यक्तिगत पहचान से ऊपर जनसरोकार का स्वर देती है।जब विश्वास डगमगाने लगे, तब अनुभवी, संघर्षशील और जनाधार वाले नेतृत्व की आवश्यकता सबसे अधिक होती है। मध्य प्रदेश कांग्रेस आज ऐसे ही दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में अरुण यादव जैसे नेता, जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी पार्टी और समाज से अपना जुड़ाव बनाए रखा, संगठन को नई दिशा और ऊर्जा दे सकते हैं। उनका अनुभव, सादगी और निष्काम कार्यशैली समर्पित कार्यकताओं में नया विश्वास और उत्साह जगाने की क्षमता रखती है। निमाड़ की किसान-केंद्रित राजनीति को यदि प्रदेश की व्यापक रणनीति का आधार बनाया जाए, तो मालवा, विंध्य और बुंदेलखंड तक कांग्रेस जनता के साथ विश्वास का नया सेतु निर्मित कर सकती है।

हर राजनीतिक पुनर्जागरण अपनी जड़ों से शक्ति पाता है। सुभाष यादव की सहकारिता-आधारित सोच, अरुण यादव का संगठनात्मक अनुभव और सचिन यादव की संघर्षशीलता ऐसी विरासत गढ़ते हैं, जिसमें किसान केवल चुनावी मुद्दा नहीं, विकास का केंद्र है। इसका प्रमाण है कि एक ही परिवार के तीनों स्तंभों ने कृषि मंत्रालय का दायित्व संभाला–सुभाष यादव ने प्रदेश में, ज्येष्ठ पुत्र अरुण यादव ने केंद्र में और कनिष्ठ पुत्र सचिन यादव ने पुनः प्रदेश में। यह संयोग नहीं, बल्कि किसान के प्रति पीढ़ियों से चली आ रही प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सेवा, समर्पण और जनता से जुड़ाव ही वह शक्ति है, जो कठिनतम दौर में भी किसी संगठन के पुनर्निर्माण का आधार बनती है।

आज मध्य प्रदेश कांग्रेस के सामने केवल चुनावी चुनौती नहीं, बल्कि अपनी आत्मा को पुनः पहचानने का क्षण है। सुभाष यादव की जड़ों से निकली यह विरासत यदि सही दिशा, सही अवसर और निर्भीक नेतृत्व पाए, तो निमाड़ की धरती से उठने वाली यह आवाज पूरे प्रदेश में गूंज सकती है। खेतों की हरियाली, कार्यकताओं का उत्साह और जनता का फिर से जागा भरोसा–यही वह मार्ग है, जो कांग्रेस को पराजय की छाया से निकालकर पुनरुत्थान के प्रकाश की ओर ले जा सकता है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7592

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7591 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

दैनिक पंचांग

3 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.36 बजे से
चंद्र	मीन में	कन्या	08.48 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.59 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.13 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.29 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.35 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.54 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.24 बजे से
		वृष	00.04 बजे से
		मिथुन	02.03 बजे से
		कर्क	04.16 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2026 वर्ष का 215 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 22.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 22.01 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 21.14 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.09 बजे तदनन्तर तैतिल 22.55 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 33'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872790
जूलियन दिन 2461255.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 19
विशेष मौना पंचमी, श्रावण सोमवार व्रत, डॉ. मैथिली शरण गुप्त जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

---

कालपुरुष की चेतना और श्रावण सोमवारी

भारतीय परम्परा व सनातन वैदिक वांग्मय में काल को केवल भौतिक समय की गणना नहीं, अपितु पुरुषसूक्त के आलोक में परात्पर ब्रह्म की चेतना का संचरण माना गया है। ऋग्वेद 10/190/3 में अंकित मंत्र- ह्लसूर्याचन्द्रमसौ धाता यथापूर्वमकल्पयत्ह्व के उद्घोष से यह स्पष्ट किया गया है कि सृष्टि का नियामक विधान खगोलीय पिंडों की गति और उनके सूक्ष्म ऊर्जा परिवर्तन से नियंत्रित है। इसी काल चक्र के अंतर्गत चातुर्मास्य के प्रथम मास श्रावण और उसके सोमवार (सोमवारी व्रत) का धार्मिक, आध्यात्मिक तथा आधिभौतिक महत्व अक्षुण्ण है। श्रावण मास की शास्त्रीय महत्ता को समझने के लिए इसके नामकरण की अंतःप्रकृति का विश्लेषण अनिवार्य है। चंद्रमा जिस मास की पूर्णिमा को जिस नक्षत्र में पूर्णता प्राप्त करता है, उस मास का नामकरण उसी नक्षत्र के आधार पर होता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को चंद्रमा श्रवण नक्षत्र में संचरण करता है। श्रवण धातु का अर्थ है सुनना या श्रुति। वैदिक परंपरा में ज्ञान का संचरण श्रुति (सुनने) के माध्यम से हुआ। इसलिए यह मास आत्मज्ञान की प्राप्ति, वेदों के पारायण और ज्ञान के संकलन का काल माना गया है। सोमवार केवल एक वार विशेष नहीं है। इसके तीन गंभीर अर्थ भारतीय मनीषा में प्रतिपादित हैं- चन्द्रमा (सोम), शिव (स-उमा) और सोमरस (अमृत)।

ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा मन का कारक है-

चंद्रमा मनसो जातः।

-यजुर्वेद 31/12

शिव के संबंध में कहा गया है-

उमया सहितः सोमः ।

अर्थात- जो साक्षात आदिमाया भगवती उमा के साथ प्रतिष्ठित हैं, वे ही सोम हैं। अतः सोमवारी साक्षात शिव और शक्ति के एकात्म रूप की आराधना का दिन है।

योग साधना में सहस्त्रार चक्र से स्त्रवित होने वाले ज्ञानामृत को सोम कहा गया है। सोमवार की साधना इस सोमरस नामक आंतरिक अमृतत्व की प्राप्ति का अनुष्ठान है। श्रावण मास और विशेष रूप से सोमवार के व्रतों की प्रामाणिकता प्राचीन पुराणों, संहिताओं और स्मृति ग्रंथों में सप्रमाण वर्णित है। श्रावण सोमवारी के संबंध में स्कन्द पुराण (श्रावण माहात्म्य), शिव महापुराण (कोटिरुद्रसंहिता) और लिंग पुराण (पूर्वभाग) में विशद वर्णन अंकित हैं। स्कन्द पुराण के श्रावण मास माहात्म्य के अंतर्गत सनत्कुमार और ईश्वर संवाद में स्पष्ट उल्लेख आता है-

न च श्रावण सदृशो मासः न च सोमसमं व्रतम्।

न च रुद्रसमो देवो न च वेदसमं कुलम्।।

अर्थात- श्रावण के समान कोई मास नहीं, सोमवार के समान कोई व्रत नहीं, रुद्र के समान कोई देव नहीं और वेदों के समान कोई कुल नहीं है।

इसी पुराण में भगवान शिव स्वयं कहते हैं कि द्वादश मासों में श्रावण मुझे अत्यंत प्रिय है, क्योंकि इस मास में प्रकृति स्वतः मेरा अभिषेक करती है।

शिव महापुराण की कोटिरुद्रसंहिता के अंतर्गत सोमवार व्रत की विधि और उसके फल का विस्तृत निरूपण है। महर्षि व्यास लिखते हैं कि जो मनुष्य श्रावण के सोमवार को निराहार या नक्तव्रत (रात्रि में एक बार भोजन) रखकर लिंगतोभद्र मण्डल बनाकर शिव की पूजा करता है, वह साक्षात शिवत्व को प्राप्त होता है।

लिंग पुराण (पूर्वभाग) में सोमवार व्रत को पशुपत व्रत के समकक्ष माना गया है, जो जीव के पाश (बंधन) को काटकर उसे पशु से पति (मुक्त आत्मा) की ओर अग्रसर करता है। मध्यकालीन धर्मशास्त्रीय ग्रंथ चतुर्वर्गचिन्तामणि के व्रतखण्ड में हेमाद्रि ने निर्णयसिंधु और व्रतराज के उद्धरणों से सिद्ध किया है कि श्रावण मास के सोमवार को किया गया लघु रुद्र या महारुद्र का पाठ अक्षय फलदायी होता है।

सनातन धर्म का कोई भी व्रत अंधविश्वास की भित्ति पर नहीं, बल्कि ऋतुविज्ञान और खगोलीय संपातों पर आधारित है। श्रावण मास में सूर्य कर्क राशि में संचरण करता है, जिसे दक्षिणायन का प्रारंभ काल माना जाता है। कर्क राशि जल तत्व की राशि है और इसका स्वामी स्वयं चंद्रमा (सोम) है। जब जल तत्व प्रधान राशि में सूर्य (अग्नि तत्व) का प्रवेश होता है, तब पृथ्वी पर वृष्टि का प्राकट्य होता है। वायुमंडल में आर्द्रता बढ़ जाती है। इस संक्रमण काल में मानव शरीर की जठराग्नि मंद हो जाती है।

आयुर्वेद के मूल ग्रंथ चरक संहिता के सूत्रस्थान में वर्णित ऋतुचर्या के अनुसार वर्षा ऋतु में वात का प्रकोप और पित्त का संचय होता है। मंद जठराग्नि के कारण इस समय गरिष्ठ भोजन असाध्य रोगों को जन्म देता है। सोमवार के दिन उपवास रखने से पाचन तंत्र को विश्राम मिलता है। शरीर का शोधन होता है। और सात्विक तरंगों का शरीर में संचरण होता है। इस प्रकार, श्रावण सोमवारी का धार्मिक उपवास वास्तव में आयुर्वेद सम्मत काय शोधन का एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपक्रम है।पौराणिक आख्यानों के अनुसार श्रावण मास में ही देवताओं और असुरों द्वारा समुद्र मंथन किया गया था, जिसमें से चौदह रत्न निकले थे। इस आख्यान का दार्शनिक विश्लेषण अत्यंत प्रासंगिक है। मंथन के प्रारंभ में ही कालकूट नामक भयंकर विष निकला, जिससे संपूर्ण सृष्टि जलने लगी। तब भगवान शिव ने उस विष को अपने कंठ में धारण किया, जिससे उनका कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष की तीव्र दाह को शांत करने के लिए देवताओं ने उन पर जल, गंगाजी और दूर्वा की वर्षा की। यही कारण है कि श्रावण में शिव का जलाभिषेक किया जाता है।

आध्यात्मिक दृष्टि से समुद्र मंथन वास्तव में मानव मन का अंतर्मंथन है। मंदराचल पर्वत दृढ़ संकल्पशक्ति का प्रतीक है। वासुकि नाग इंद्रियों का संयम और एकाग्रता है। विष- साधना के प्रारंभिक चरण में उभरने वाले अंतर्मन के कुसंस्कार, काम, क्रोध और लोभ हैं। इन विकारों (विष) को पचाने की शक्ति केवल विवेक और वैराग्य रूपी शिव के पास है। जब साधक अपने विकारों को शिव को समर्पित कर देता है, तभी उसके जीवन में सोम (अमृत और शांति) का उदय होता है।श्रावण सोमवारी केवल सामान्य पूजा का दिन नहीं, अपितु तंत्र और उच्चतर साधनाओं का संधिकाल है। इस दिन की पूजा पद्धति में विशिष्ट द्रव्यों का वैज्ञानिक महत्व है। गौ दुग्ध सात्विकता और शांति का प्रतीक है, इसका भौतिक प्रभाव है- शिव लिंग से टकराकर वातावरण में ऋणायन उत्पन्न करना। मधु (शहद) मधुर वाणी और एकात्मताका प्रतीक है, जिसका प्रभाव -त्वचा और ऊर्जा क्षेत्र का शोधन। घृत (घी) का तेज और ओज की वृद्धि दीघार्यु और कांति की प्राप्ति। गंगाजल मोक्ष और परम शुद्धि का प्रतीक है, इसका भौतिक प्रभाव है- सूक्ष्म तरंगों का संचरण, मानसिक अवसाद का शमन। भस्म वैराग्य और नश्वरता का बोध का प्रतीक है, जिसका प्रभाव है- लिंग विग्रह के घर्षण से उत्पन्न ऊर्जा को संधारित करना।

बेलपत्र (विल्वपत्र) का त्रिगुणात्मक स्वरूप का वर्णन करते हुए कहा गया है-

त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रियायुधम्।

इसके अनुसार तीन पत्तियों वाला बेलपत्र सत्व, रज और तम तीनों गुणों के नियमन का प्रतीक है। वैज्ञानिक दृष्टि से विल्वपत्र में पारा और अन्य औषधीय तत्व होते हैं, जो शिवलिंग पर चढ़ाने से वहां के वातावरण को कीटाणुमुक्त और अत्यधिक ऊजार्युक्त बनाते हैं।

श्रावण सोमवारी का अनुष्ठान केवल व्यष्टि (व्यक्तिगत) कल्याण तक सीमित नहीं है, अपितु यह समष्टि (सामाजिक) चेतना का महायज्ञ है। श्रावण मास में आयोजित होने वाली कांवर यात्रा भारतीय संस्कृति के अनूठे लोक रंग और सामाजिक समरसता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इस यात्रा में राजा हो या रंक, सब बम (भोले) के एक ही संबोधन से पुकारे जाते हैं। जाति, वर्ण, और वर्ग के समस्त कृत्रिम भेद तिरोहित हो जाते हैं। सुदूर नदियों, जैसे गंगा से जल लाकर स्थानीय या द्वादश ज्योतिर्लिंगों पर चढ़ाना भौगोलिक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को सुदृढ़ करता है। यह उत्तर और दक्षिण, पूर्व और पश्चिम को एक ही शिवसूत्र में पिरो देता है। स्पष्ट है कि श्रावण सोमवारी का व्रत कोई सामयिक या रूढ़िवादी अनुष्ठान नहीं है। यह काल के सूक्ष्म विज्ञान, ज्योतिषीय गणना, आयुर्वेदिक स्वास्थ्य रक्षा, और वेदान्त के अहं ब्रह्मास्मि के लक्ष्य को प्राप्त करने की एक अनवरत, शाश्वत साधना पद्धति है। यह मास हमें सिखाता है कि जिस प्रकार शिव ने लोक कल्याण के लिए विषपान किया, उसी प्रकार मनुष्य को भी समाज के कल्याणार्थ अपने अहम और स्वार्थ का विसर्जन कर देना चाहिए। यही श्रावण का वास्तविक संदेश है और यही सनातन सत्य की शाश्वत शैली है।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी राज्य इडाहो के रेस्टोरेंट में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या, शूटर भी ढेर

वाशिंगटन। अमेरिका के पर्वतीय राज्य इडाहो के ट्विन फॉल्स शहर के मशहूर इन-एन-आउट बर्गर नामक रेस्टोरेंट में शनिवार दोपहर तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कथित बंदूकधारी भी भागते समय मारा गया। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। इस रेस्टोरेंट ग्रैंड ओपनिंग एक हफ्ते पहले धूमधाम से की गई थी। समाचार चैनल सीबीएस न्यूज के स्थानीय प्रसारण केंद्र केएमवीटी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्विन फॉल्स शहर के जन संपर्क अधिकारी जोश पामर ने बताया कि पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने पुष्टि की कि गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि शूटर भागते समय मारा गया है। वह पुलिस की गोली से मारा गया या उसने खुद को गोली मार ली, यह अभी साफ नहीं हो सका है। केएमवीटी के अनुसार, सोशल मीडिया में साझा किए गए वीडियो में बदहवास लोग रेस्टोरेंट से निकलकर ब्लू लेक्स और ब्रिजव्यू चौराहे की ओर भागते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरे वीडियो में एक व्यक्ति बंदूक पकड़े हुए ड्राइव-थ्रू में एक कार के पास आता दिख रहा है। इस वीडियो को रिकॉर्ड करने वाले एलेक्सिस एगुइलर ने कहा कि वह और उसके कुछ दोस्त बर्गर खाने के लिए इस रेस्टोरेंट पर जा रहे थे। अचानक गोली चलने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद लोग रेस्टोरेंट से जान बचाकर भागते नजर आए। पुलिस का कहना है कि इडाहो राज्य की सभी सीमाएं सील कर दी गई हैं। इस राज्य की सीमाएं मोंटाना, व्योमिंग, नेवादा, यूटा, ओरेगन, वाशिंगटन और कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत से मिलती हैं। ट्विन फॉल्स के पुलिस प्रमुख मैथ्यू हिक्स ने कहा कि लोग घबराएं नहीं। अब कोई खतरा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि शूटर ने हत्याकांड के बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

नेपाल के कई प्रांतों में भारी बारिश का अलर्ट

काठमांडू। नेपाल जल तथा मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर आज भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा ने बताया कि वर्तमान में मानसूनी ट्रफ पश्चिमी नेपाल में अपनी औसत स्थिति के आसपास तथा पूर्वी नेपाल में सामान्य स्थिति से कुछ उत्तर की ओर स्थित है। सुदूर पश्चिम प्रदेश के तराई क्षेत्र में आंशिक बादल छाए हुए हैं, जबकि देश के अधिकांश हिस्सों में आंशिक से सामान्य रूप से बादल छाए हुए हैं। कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश पहले से ही हो रही है। दिन के समय पूरे देश में सामान्य से पूर्ण रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। पहाड़ी क्षेत्रों के कई स्थानों तथा तराई के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वहीं, हिमालयी क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा या हिमपात हो सकता है। कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी और कर्णाली प्रदेश के पहाड़ी जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा की भी संभावना जताई गई है। रात के समय भी मौसम का यही क्रम जारी रहने की संभावना है। देश के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। कोशी, बागमती और गण्डकी प्रदेश के हिमालयी क्षेत्रों के कुछ स्थानों के साथ-साथ लुम्बिनी, कर्णाली और सुदूरपश्चिम प्रदेश के हिमालयी जिलों में भी कहीं-कहीं मध्यम वर्षा या हिमपात का पूर्वानुमान है। विभाग ने मधेश प्रदेश के अधिकांश तराई क्षेत्रों तथा कोशी, बागमती, गण्डकी और लुम्बिनी प्रदेश के तराई इलाकों में भी मध्यम वर्षा की संभावना जताई है। सुदूरपश्चिम के तराई क्षेत्र के कुछ स्थानों पर भी बारिश हो सकती है।

उज्जैन में सोमवार को धूमधाम से निकलेगी महाकाल की सवारी, चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में देंगे भक्तों को दर्शन

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की श्रावण-भाद्रपद माह में निकलने वाली सवारी के क्रम में सोमवार, 03 अगस्त को पहली सवारी निकलेगी। इस दौरान अवंतिकानाथ नगर भ्रमण कर अपनी प्रजा का हाल जानेंगे। सवारी में बाबा महाकाल चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में अपने भक्तों को दर्शन देंगे। श्रावण-भाद्रपद मास में उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर की छह सवारी निकाली जाती है। इनमें श्रावण के चार और भादौ महीने के दो सोमवार को भगवान महाकाल अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकलते हैं। इस बार भगवान महाकालेश्वर की पहली सवारी 3 अगस्त और अंतिम राजसी सवारी 7 सितंबर को निकाली जाएगी। सवारी निकलने से पहले दोपहर 3:30 बजे सभा मंडप में भगवान चंद्रमौलेश्वर का पूजन होगा। इसके बाद शाम 4 बजे मंदिर प्रांगण से सवारी प्रस्थान करेगी और करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी दूरी तय कर शाम 5 बजे रामघाट पहुंचेगी। रामघाट पर शिप्रा से जलाभिषेक, पूजन, आरती के बाद बाबा वापस मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। सवारी शाम 7 बजे मंदिर पहुंचेगी। महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने रविवार को बताया कि इस साल भी सभी आरतियों में कार्तिक मंडप की पहली तीन पंक्तियों से श्रद्धालुओं को चलित आरती दर्शन कराए जाएंगे। सभी सवारियों में जनजातीय सांस्कृतिक दल प्रस्तुति देंगे। हर सवारी में पांच एलईडी रथ शामिल किए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 15 जगहों पर मेडिकल टीमें और 24×7 एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि श्रावण के पहले सोमवार, 03 अगस्त को भगवान महाकाल पालकी में विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे और श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। सवारी से पहले प्रशासन ने पूरे मार्ग को दुरुस्त कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। गौरतलब है कि सिंहस्थ 2026 की तैयारियों के लिए चल रहे निर्माण कार्यों के चलते 15 दिन पहले तक सवारी मार्ग पर सड़कें जर्जर थीं और बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, वहां अधिकारियों ने दिन-रात मेहनत कर सभी व्यवस्थाएं पूरी कर दी हैं। प्रशासन के प्रयासों से अब श्रद्धालुओं को बाबा महाकाल के दर्शन अधिक सुगमता से हो सकेंगे। सवारी के दौरान संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और साफ-सफाई की व्यापक व्यवस्था की गई है।

मप्र के इंदौर में मेजर हमजा आरिफ को सैन्य सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई, लगे देशभक्ति के नारे

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के लिए रविवार का दिन बेहद भावुक रहा। राजस्थान के जैसलमेर में हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाले शहर के वीर सपूत मेजर हमजा आरिफ को पूरे सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ हजारों लोगों को नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान जमकर देशभक्ति के नारे लगे। एक महीने पहले जिस घर में शादी की खुशियां गूंज रही थीं, वहां रविवार को मातम पसरा था। तिरंगे में लिपटे मेजर हमजा आरिफ के पार्थिव शरीर को देखकर हर आंख नम थी। पत्नी ज्योति अरोरा का दर्द, माता-पिता की खामोशी और सेना की अंतिम सलामी ने वहां मौजूद हर व्यक्ति को भावुक कर दिया। राजस्थान के जैसलमेर में हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाले मेजर हमजा आरिफ का पार्थिव शरीर रविवार सुबह इंदौर के सैफी नगर स्थित उनके निवास पर पहुंचा। सुबह से ही उनके निवास पर लोगों का तांता लगा हुआ था। सबसे पहले पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। सुबह करीब नौ बजे सैफी नगर में जनाजे की नमाज अदा की गई। इसके बाद सेना के वाहन में तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर अंतिम यात्रा के लिए रवाना हुआ। तिरंगे में लिपटी ताबूत के साथ जनाजा सैफी नगर मस्जिद से आगे बढ़ा और माणिकबाग पुल, कलेक्टर चौराहा, राजबाड़ा और सदर बाजार होते हुए इमली बाजार स्थित शिया दाऊदी बोहरा कब्रिस्तान पहुंचा। रास्ते भर लोग अपने घरों और दुकानों के बाहर खड़े होकर मेजर हमजा आरिफ को अंतिम सलाम करते रहे। राजबाड़ा पर बड़ी संख्या में लोग पहले से मौजूद थे। जैसे ही सेना का वाहन वहां पहुंचा, पूरा इलाका भारत माता की जय और मेजर हमजा आरिफ अमर रहें के नारों से गूंज उठा। लोगों ने हाथ जोड़कर और सैल्यूट कर अपने वीर सपूत को श्रद्धांजलि दी। कब्रिस्तान में सेना के जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया और पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर अपने साथी अधिकारी को अंतिम सलामी दी। इसके बाद धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। अंतिम विदाई का सबसे भावुक पल तब आया, जब पत्नी ज्योति अरोरा अपने पति को आखिरी श्रद्धांजलि देने पहुंचीं। कांपते हाथों से उन्होंने तिरंगे में लिपटे पार्थिव शरीर को नमन किया, लेकिन खुद को संभाल नहीं सकीं और फूट-फूटकर रो पड़ीं। उनकी मां ने उन्हें गले लगाकर संभाला। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद सेना के अधिकारियों ने वह तिरंगा पत्नी ज्योति अरोरा को सौंपा, जिसमें लिपटकर मेजर हमजा आरिफ अपने घर लौटे थे।

कर्नाटक में जल्द हो सकता है कैबिनेट विस्तार

डीके शिवकुमार और कांग्रेस आलाकमान की दिल्ली में बैठक, 20 नए मंत्री शामिल हो सकते हैं

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ लेने के करीब दो महीने बाद भी मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हुआ है। शिवकुमार और राज्य के कई कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आलाकमान से मुलाकात की। यहां कैबिनेट विस्तार पर चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 नए मंत्रियों के नाम आज तय हो सकते हैं। वहीं, अगले सप्ताह शपथ ग्रहण हो सकता है। अभी कैबिनेट में सीएम समेत 14 मंत्री हैं।

कर्नाटक की कैबिनेट में 34 मंत्री शामिल हो सकते हैं: डीके शिवकुमार ने 3 जून को उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर और 12 अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली थी। कर्नाटक में संवैधानिक रूप से मुख्यमंत्री सहित कुल 34 मंत्री हो सकते हैं, जिसके चलते अभी भी लगभग 20 पद खाली हैं। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी हाईकमांड जातीय, सामुदायिक और नए-पुराने नेताओं में बैलेंस बनाने की कोशिश कर रहा है जिसकी वजह से कैबिनेट विस्तार में देरी हो रही है। इसके अलावा, डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के गुटों की ओर से अलग-अलग नाम सुझाए जा रहे हैं।

कर्नाटक की राजनीति में वोक्कालिगा, लिंगायत और कुरबा समाज अहम: कर्नाटक में लिंगायत (लगभग 17%) सबसे बड़ा समुदाय है, जबकि दक्षिण कर्नाटक में वोक्कालिगा (लगभग 15%) का दबदबा है, जिसका नेतृत्व उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार करते हैं। वहीं, कुरबा (लगभग 7-8%) समाज एक प्रमुख पिछड़ा वर्ग है, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आते हैं और वे अपनी अहिंदा राजनीति के जरिए मजबूत पकड़ रखते हैं। सिद्धारमैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया को भी कैबिनेट में शामिल किया गया है।

ड्रोन से भेजी गई 10 किलो हेरोइन और 11 विदेशी हथियार बरामद, एक गिरफ्तार

एजेंसी, बीकानेर

स्वतंत्रता दिवस से पहले भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे बीकानेर जिले के खाजूवाला क्षेत्र में पुलिस ने ऑपरेशन 'शॉक वेव' के तहत नशे और हथियारों की बड़ी खेप बरामद करके अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 50 करोड़ रुपये आंकी गई है। मामले में तस्कर वीरेंद्र को गिरफ्तार किया गया है।

बीकानेर के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश के निर्देशन में डीएसटी और खाजूवाला थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए खाजूवाला थाना क्षेत्र के 32 हेड स्थित चक 6 बीडी सड़क मार्ग पर दबिश दी। वहां से आरोपित को करीब 10 किलोग्राम हेरोइन, विदेशी हथियारों के जखीरे और एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपित के कब्जे से दो तुर्किये निर्मित जिगाना पिस्टल, चार ग्लॉक पिस्टल, पांच स्टार मार्क .30 बोर पिस्टल, 22 मैगजीन तथा 100 जीवित कारतूस बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 999 अफगान मार्का करीब 10 किलोग्राम हेरोइन भी जब्त की गई है।

मृदुल कच्छावा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस से पहले पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के माध्यम से नशा और हथियार भारत में पहुंचाने की साजिश रची गई थी। बीकानेर पुलिस लगातार खुफिया सूचनाओं पर निगरानी बनाए हुए थी। इसी आधार पर ऑपरेशन 'शॉक वेव' चलाकर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि पूरे अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बनवारीलाल मीणा, खाजूवाला थानाधिकारी अशोक बिश्नोई, साइबर एक्सपर्ट दीपक यादव, श्रीराम तथा डीएसटी और खाजूवाला थाना पुलिस की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ के आधार पर पूरे तस्करी नेटवर्क और सीमा पार के संपर्कों की गहन जांच कर रही है।

असम बाढ़ : रिलायंस फ़ाउंडेशन ने सीएम राहत कोष में 21 करोड़ का दिया योगदान

एजेंसी, गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को बताया कि रिलायंस फ़ाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने ऊपरी असम में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 करोड़ का योगदान दिया है।

सोशल मीडिया फेसबुक पर मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का आभार जताते हुए कहा कि इस संगठन ने संकट के समय में हमेशा असम के लोगों की मदद की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी राज्य ने मुश्किल समय का सामना किया है, रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी हमेशा असम के लोगों के साथ खड़ी रही हैं।

डॉ. सरमा ने कोविड-19 महामारी के दौरान फ़ाउंडेशन की मदद को याद किया, जब उसने राज्य के लोगों को समय पर सहायता प्रदान की थी। कहा कि इस नए योगदान से ऊपरी असम में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए राहत और पुनर्वास के प्रयासों को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आर्थिक सहायता के साथ-साथ, रिलायंस फ़ाउंडेशन की टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों में भोजन, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं, आपातकालीन आश्रय और पशुधन के लिए सहायता प्रदान करने का काम कर रही हैं।

डॉ. सरमा ने कहा कि मैं असम के लोगों के प्रति उनकी संवेदना, दया और समर्थन के लिए नीता अंबानी और रिलायंस फ़ाउंडेशन का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

अभिजीत दीपके के परिवार की संपत्ति जांचने की मांग आरटीआई कार्यकर्ता ने पूछा- पिता जूनियर इंजीनियर

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ उनकी सैलरी में बेटे की अमेरिका में पढ़ाई कैसे हुई

सूरत के RTI कार्यकर्ता अमित तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके के परिवार की आर्थिक स्थिति की जांच की मांग की है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार, चुनाव आयोग (ECI) और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) को शिकायत भेजी है। तिवारी का दावा है कि अभिजीत दीपके के पिता भगवानराव दीपके महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (MIDC) में जूनियर इंजीनियर (JE) थे। उनकी मासिक सैलरी करीब 60-65 हजार थी। ऐसे में यह जांच होनी चाहिए कि उन्होंने अपने बच्चों की अमेरिका में उच्च शिक्षा का खर्च कैसे उठाया।

तिवारी बोले- CJP रजिस्टर्ड संस्था नहीं है: अमित तिवारी ने महाराष्ट्र सरकार से भगवानराव दीपके की आय और संपत्ति की जांच कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि CJP राजनीतिक दल की तरह काम कर रही है, लेकिन उसका चुनाव आयोग में पंजीकरण नहीं है और वह चंदा भी जुटा रही है। उन्होंने चुनाव आयोग से कहा कि अगर CJP राजनीतिक दल की तरह काम कर रही है और चंदा ले रही है, तो उसे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29A के तहत राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रेशन कराना चाहिए।

CJP आंदोलन पर भी उठाए सवाल: अमित तिवारी ने CBIC से अपनी मांग में कहा कि राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने CJP को फंड के तौर पर जो 1 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है, उस पर भी 18% GST लगाया जाए। तिवारी ने कहा कि शुरुआत में CJP का आंदोलन NEET पेपर लीक जैसे मुद्दे तक सीमित था, लेकिन बाद में आंदोलन की दिशा बदल गई। उन्होंने आरोप लगाया कि आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी दिवंगत मां और विदेशी नेताओं से उनके संबंधों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। तिवारी ने कहा कि इन सभी मामलों की शिकायत भी संबंधित अधिकारियों से की गई है।

कॉकरोच पार्टी ने स्टूडेंट्स की लीगल मदद के लिए फंड बनाया: कॉकरोच जनता पार्टी ने 27 जुलाई को पेपर लीक आंदोलन के बाद आपराधिक मामलों का सामना कर रहे छात्रों की कानूनी सहायता के लिए लीगल डिफेंस फंड बनाने की घोषणा की थी। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने इस फंड में 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। उन्होंने देशभर के वकीलों से भी इस कोष में योगदान देने की अपील की थी। CJP के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा था कि केंद्र सरकार के आश्वासन के बावजूद देशभर में छात्रों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की आशंका है। उन्होंने यह भी बताया था कि इस मामले में CJP सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के संपर्क में है। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कपिल सिब्बल भी मौजूद थे।

व्यावसायिक कोयला खनन से देश में उत्पादन एक अरब टन के पार पहुंचा, 141 खदानों की हुई नीलामी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में व्यावसायिक कोयला खनन व्यवस्था लागू होने के बाद कोयला उत्पादन एक अरब टन से अधिक रहा है। जून 2020 से अब तक 14 चरणों में 141 व्यावसायिक कोयला खदानों की नीलामी की जा चुकी है, जिनसे पूर्ण उत्पादन शुरू होने पर प्रतिवर्ष लगभग 47 हजार करोड़ रुपये का राजस्व और करीब 4.75 लाख रोजगार सृजित होने का अनुमान है। कोयला मंत्रालय ने रविवार को बताया कि वर्ष 2024-25 में देश का कोयला उत्पादन 1,047.52 मिलियन टन तथा वर्ष 2025-26 में 1,040.08 मिलियन टन रहा। वर्ष 2014-15 में यह उत्पादन 609.18 मिलियन टन था। मंत्रालय के अनुसार, इस वृद्धि में कैप्टिव और व्यावसायिक कोयला खदानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और राष्ट्रीय उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी वर्ष 2021-22 के 10.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 20.2 प्रतिशत हो गई।

मंत्रालय ने बताया कि भारत विश्व का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार रखने वाला तथा दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक और उपभोक्ता देश है। देश की प्राथमिक ऊर्जा आवश्यकता का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा कोयले से पूरा होता है, जबकि 70 प्रतिशत से अधिक बिजली उत्पादन भी कोयले पर आधारित है। वर्ष 2014 में उच्चतम न्यायालय द्वारा 204 कोयला ब्लॉकों का आवंटन रद्द किए जाने के बाद पारदर्शी नीलामी व्यवस्था लागू की गई। इसके तहत 18 जून 2020 को आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत व्यावसायिक कोयला खनन की शुरुआत की गई, जिससे निजी कंपनियों को भी खुले बाजार में कोयला बेचने की अनुमति मिली।

मंत्रालय ने बताया कि जून 2020 से अब तक 14 चरणों में 141 कोयला खदानों की नीलामी की गई है, जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 366.35 मिलियन टन है। इनमें 123 खदानें निजी कंपनियों को मिली हैं तथा 44 सफल बोलीदाता ऐसे हैं, जिन्होंने पहले कभी कोयला खनन नहीं किया था। औसत राजस्व साझेदारी 24.17 प्रतिशत रही, जो निर्धारित न्यूनतम चार प्रतिशत से लगभग छह गुना अधिक है। वर्ष 2025-26 में कैप्टिव और व्यावसायिक खदानों से कुल 210.46 मिलियन टन कोयला उत्पादन हुआ, जो पहली बार 200 मिलियन टन के आंकड़े को पार कर गया। इनमें व्यावसायिक खदानों का योगदान 26.12 मिलियन टन रहा और वर्तमान में 23 व्यावसायिक खदानें उत्पादन में हैं। मंत्रालय के अनुसार, नीलाम की गई सभी व्यावसायिक खदानों के पूर्ण संचालन पर लगभग 48,756 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश होगा। साथ ही, प्रीमियम से प्राप्त राजस्व वर्ष 2014-15 के 461 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 5,553 करोड़ रुपये हो गया है। मंत्रालय ने कहा कि सभी नीलाम खदानों को शीघ्र उत्पादन में लाने के लिए मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।

कांवड़ियों के ट्रैक्टर को ट्रक ने मारी टक्कर, सात घायल, एक गंभीर

एजेंसी, एटा

यूपी के एटा जिले में सावन के दौरान कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं के साथ बड़ा सड़क हादसा हो गया। कोतवाली देहात क्षेत्र में हाईवे पर कांवड़ियों से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 7 कांवड़िए घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल श्रद्धालु को बेहतर इलाज के लिए सैफई रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक सभी श्रद्धालु मैनपुरी जिले के कुरावली थाना क्षेत्र के किशनपुर गांव के रहने वाले हैं। वे ट्रैक्टर-ट्रॉली से सोरों गंगा घाट जा रहे थे, जहां से गंगाजल लेकर अपने क्षेत्र के शिव मंदिरों में जलाभिषेक करना था। ट्रैक्टर में करीब 17 कांवड़िए सवार थे। रास्ते में बारिश होने के कारण वाहन धीरे-धीरे चल रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आए ट्रक ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर पलट गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों की पहचान रागिनी, निशा, गीतम, सत्यपाल, रघुवीर, संध्या और मुस्कान के रूप में हुई है। इनमें सत्यपाल की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जबकि बाकी छह घायलों का इलाज जिला मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

जम्मू से अमरनाथ यात्रा फिर शुरू, 3,886 तीर्थयात्री बालटाल रवाना

एजेंसी, जम्मू

भारी बारिश के कारण रोकी गई अमरनाथ यात्रा मौसम में सुधार होने के बाद जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रविवार को फिलहाल बहाल कर दी गई ह बारिश और मलबा आने से बंद हुए 250 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) को मरम्मत के बाद यातायात के लिए खोल दिया गया है। यात्रियों का नया जत्था कड़े सुरक्षा पहरे और एस्कॉर्ट गाड़ियों के साथ आधार शिविर से रवाना किया गया है। इस बीच यात्रियों की सुविधा के लिए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने पंजीकरण और टोकन वितरण से जुड़ी ऑफलाइन सेवाएं भगवती नगर बेस कैंप में स्थानांतरित कर दी हैं।

अधिकारियों के अनुसार, 3,886 तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ड़के 2:52 बजे 177 वाहनों के साथ भगवती नगर से कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए। इस जत्थे में 3,098 पुरुष, 673 महिलाएं, पांच बच्चे, 87 साधु, 22 साध्वियां और एक बाल साधु शामिल हैं। यह जत्था 78 बसों, 42 मीडियम मोटर वाहनों, 53 हल्के मोटर वाहनों और चार दोपहिया वाहनों के माध्यम से रवाना हुआ है।

इससे पहले भूस्खलन प्रभावित हिस्सों की मरम्मत के लिए उधमपुर और बनिहाल के बीच एनएच-44 को बंद करने के बाद शनिवार को तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। मरम्मत के बाद शनिवार शाम हाइवे को फिर से खोल दिया गया। खराब मौसम व मरमत कार्य के चलते बालटाल से शुक्रवार को एक दिन के लिए यात्रा रोकी गई थी।

मथुरा-वृंदावन में भीड़ प्रबंधन विज्ञान आधारित नहीं, यातायात प्रबंधन तक सीमित है: कोर्ट

एजेंसी, प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मथुरा-वृंदावन में भीड़ प्रबंधन विज्ञान आधारित नहीं है और वहां भीड़ नियंत्रण का कार्य काफी हद तक केवल यातायात प्रबंधन तक सीमित है। कोर्ट ने राज्य सरकार को भीड़ प्रबंधन के संबंध में कई सुझाव दिए। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने मथुरा-वृंदावन में होली समेत अन्य त्योहारों के दौरान मची भगदड़ जैसी हालिया घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, जिला मजिस्ट्रेट, नगर आयुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से हलफनामे तलब किए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजनीतिक रैलियों और खेल आयोजनों से अलग होती हैं, क्योंकि भावनात्मक जुड़ाव के कारण श्रद्धालु अक्सर संभावित खतरे के प्रति कम सतर्क रहते हैं। कोर्ट ने भीड़ विज्ञान पर हुए अध्ययनों का हवाला देते हुए कहा कि प्रति वर्ग मीटर चार से पांच लोगों की सघनता पर व्यक्तिगत नियंत्रण खत्म होने लगता है जबकि छह से सात लोगों की सघनता दम घुटने जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। कोर्ट ने यह टिप्पणी शनिवार को वृंदावन में अवैध निर्माण से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान की।

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि 23 अवैध निर्माणों में से केवल कुछ के खिलाफ ही कार्रवाई की गई। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के हलफनामे के मुताबिक 2021-22 से 2025-26 के बीच 2,453 नोटिस जारी किए गए, 700 मामलों में ध्वस्तीकरण के आदेश पारित हुए लेकिन इनमें से केवल 323 पर ही कार्रवाई की गई। प्राधिकरण ने बताया कि इस अवधि में 104 संपत्तियों को सील भी किया गया है। कोर्ट ने कहा कि मथुरा, अयोध्या, वाराणसी और चित्रकूट जैसे धार्मिक महत्व वाले नगरों के लिए दीर्घकालिक नगर नियोजन जरूरी है। कोर्ट ने साथ ही कहा कि तीर्थस्थलों पर अवैध निर्माण की समस्या के समाधान के लिए केवल सख्त कानून नहीं बल्कि मजबूत संस्थागत इच्छाशक्ति भी जरूरी है।

03-08-2026 T.P. Page 8_Layout 1 03-08-2026 09:08 Page 1

शिवमय है संसार की लय

पशुपतिनाथ ने प्रत्येक त्याज्य वस्तु को अपनाया और उन्हें पूज्य प्रतीक बनाया, शिव-प्रतीकों में जीवन के गूढ़ रहस्य समाए हैं

जब भी कुछ अप्रिय सुनने-देखने में आता है, तो मुंह से अनायास निकलता है- शिव, शिव, शिव। दुनिया में जितना आलोक है वह शिव है और जहां उसमें कमी आती दिखती-सुनाई देती है तो उस अनुपम आलोक की याद स्वतः हो आती है। हर कमी को शिव ही पूर्ण करते हैं, क्योंकि यह परम सत्ता शिव की ही अनुगामिनी है। तभी तो वे विष का भी वरण कर नीलकंठ कहलाते हैं। इसलिए कहते हैं कि इस संसार में कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसे हल नहीं किया जा सकता क्योंकि सारा भार तो शिव ने अपने ऊपर ले रखा है। बाहर से देखने पर कोई भी समस्या बहुत बड़ी लगती है, लेकिन जब उससे दो-चार होते हैं तो लगता है इससे निपटना कोई बड़ी बात नहीं। यह शिव तत्व ही है जो हमारे अंदर के साहस को जाग्रत करता है, विश्वास को प्रगाढ़ करता है। शिव मूलतः संस्कृत का शब्द है जिसका एक अर्थ है समस्त परेशानियों, समस्याओं का नाश करने वाले। वेदों, उपनिषदों में शिव नाम की अलग-अलग व्याख्याएं हैं लेकिन मंतव्य एक ही है।

विकल्पों के विकल्प हैं शिव

भारतीय अध्यात्म में परम सत्ता तक पहुंचने के लिए कई मार्ग हैं। जो रुचिकर लगे, उस पर चल सकते हैं। धर्मग्रंथों का भी यही मत है कि जितने लोग होंगे उतने मन होंगे और उतने ही विकल्प। अर्थात विकल्पों की भरमार। शिव इन सब विकल्पों के विकल्प हैं। जहां सबसे कम नियम-क़ायदे हों वहीं शिव हैं। वे भस्म धारण करते हैं जो प्रतीक है इस संसार की क्षणभंगुरता का। वे धतूरे और बिल्वपत्र को धारण करते हैं जो प्रतीक है कि जीवन में जो भी कांटे आएं उन्हें शिव को समर्पण करने से ही आपकी राह के कांटे दूर हो जाते हैं। बिल्व पत्र के तीन पात हमारे तीन गुण- सत्व, रजस और तमस को दर्शाते हैं। थोड़ा-सा रजस इसलिए कि हम

कार्य कर सकें, थोड़ा तमस इसलिए कि हम सही तरह से सो पाएं और सत्व इसलिए कि यही जीवन का आधार है। इसलिए बिल्व के तीन पत्तों में बीच वाला सत्व का पत्ता शेष दोनों पत्तों से बड़ा होता है। शिव पूजा में फल इसलिए कि जो हम चाहते हैं वह फलित हो, फूल इसलिए कि हम उनकी तरह खिलें और जल इसलिए कि जल की दो प्रमुख विशेषताएं हमारे भीतर आएं। पहली संघर्ष की- क्योंकि जल पहाड़, ऊबड़-खाबड़ रास्ते में भी अपनी राह बना लेता है और दूसरी है विनम्रता का भाव, यानी जल परिस्थिति के अनुसार उसी रूप में ढल जाता है, जिस पात्र में डालो उसी के अनुकूल हो जाता है।

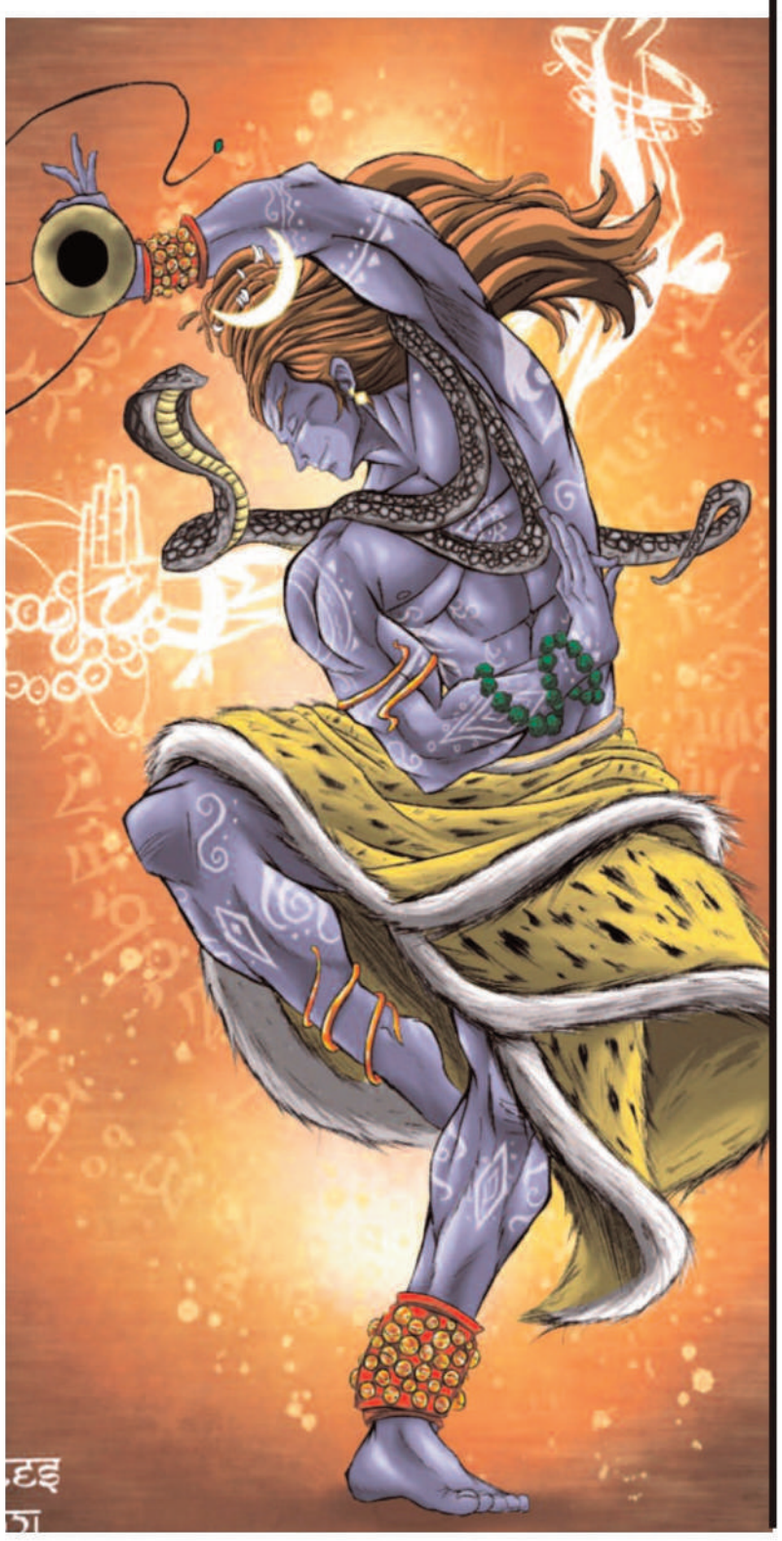

शून्य के शिखर पर शिव

शिव को शून्य से जोड़ना भी बहुत ही वैज्ञानिक है। जहां कुछ भी नहीं है वहां शिव यानी आकाश तत्व है। शून्य को प्राप्त कर लेने वाला ब्रह्मज्ञानी हो जाता है। शून्य में ही लगता है कि वह स्वयं ही सृष्टि है। यदि इस सृष्टि को अपने भीतर एक क्षण के लिए भी बसाना है, तो शून्य होना होगा। सिर्फ़ शून्यता ही सब कुछ अपने भीतर समा सकती है। जो शून्य नहीं, वो सबकुछ अपने भीतर नहीं समा सकता। जिस प्रकार एक बर्तन में समुद्र नहीं समा सकता, लेकिन हमारा ग्रह समुद्र को समा सकता है। परंतु इस ग्रह में सौरमंडल नहीं समा सकता। सौरमंडल में ग्रह और सूर्य आ सकते हैं, पर शेष आकाशगंगा इसमें नहीं आ सकती। अगर इस तरह क़दम-दर-क़दम आगे बढ़ें, तो अंततः पाएंगे कि सिर्फ़ शून्यता ही हर चीज़ को अपने भीतर समा सकती है। और जो सबसे बड़ा शून्य है वही शिव तत्व है जिसके तहत सब कुछ आता है। 'शिव' शब्द की व्याख्या करते हुए कहा गया है- 'शेते सर्व जगत् यस्मिन् इति शिव' अर्थात जिसमें समस्त जगत शयन कर रहा है, वही शिव है।

शिवजी भस्म क्यों लगाते हैं?

शिवपुराण की विद्येश्वरसंहिता में भगवान शिव ने भस्म शब्द का अर्थ प्रकट किया है। जिस प्रकार राजा अपने राज्य में सारभूत कर (टैक्स) को ग्रहण करता है, जैसे मनुष्य सस्य (अनाज, पौधे आदि से उत्पन्न होने वाली वस्तुएं) आदि को जलाकर (पकाकर) उसका सार ग्रहण करते हैं तथा जैसे जठरानल नाना प्रकार के भक्ष्य, भोज्य आदि पदार्थों के सार को ग्रहण करके देह का पोषण करता है, उसी प्रकार शिव ने इस विद्यमान प्रपंच को जलाकर भस्मरूप में उसके सारतत्व को ग्रहण किया है। इसे दग्ध करके शिव ने उसके भस्म को अपने शरीर पर लगाया है। उन्होंने भस्म के बहाने जगत के सार को ही ग्रहण किया है।

शिवलिंग की आधी परिक्रमा क्यों?

भारतीय संस्कृति में जल को देवता माना गया है और पानी के पात्र को कभी पांव नहीं लगाया जाता। ठोकर लगा पानी न पिया और न ही पिलाया जाता है। यह पाप माना गया है। ऐसे ही जो जल देवप्रतिमा पर चढ़ाया गया हो, उसे लांघा नहीं जाता। शिवलिंग का नित्य अभिषेक होता है। जिस जल से देवता का अभिषेक हुआ है उसे पांव नहीं लगे इसलिए प्रणाल (जल निकासी की नाली) के बाद भी चंडमुख की व्यवस्था मंदिरों में की गई। इसलिए भगवान शिव की पूजा के बाद शिवलिंग की परिक्रमा हमेशा बायीं ओर से शुरू कर जलाधारी के आगे निकले हुए भाग यानी स्रोत (जहां से भगवान शिव को चढ़ाया जल बाहर निकलता है) तक जाकर फिर विपरीत दिशा में लौट दूसरे सिरे तक आकर पूरी करनी चाहिए। इसे शिवलिंग की आधी परिक्रमा भी कहा जाता है। जलाधारी या अरघा के स्रोत को लांघना नहीं चाहिए, क्योंकि उस स्थान पर ऊर्जा और शक्ति का भंडार होता है।

शिव-प्रतीकों में जीवन-दर्शन

शिव का एक-एक भाग इस संपूर्ण संसार की सबसे सरल अभिव्यक्ति है। शिव की जटाएं अंतरिक्ष का प्रतीक हैं जो आकाश तत्व से बना है। यह अनंत है और इसका विस्तार अनंत है। जो सबको धारण करता है, अच्छा, बुरा सबकुछ। शिव के जटाजूट पर चंद्रमा है जो प्रतीक है शीतलता का, मन का। सारा खेल मन ही करता है इसलिए मन संतुलित शिव के माध्यम से ही हो सकता है। शिव त्रिनेत्रधारी हैं जो कि प्रतीक है कि दो आंखें तो सिर्फ़ संसार को देखने के लिए हैं, वहीं तीसरा नेत्र ज्ञान और प्रज्ञा के लिए है। सर्पहार को वरण करना शिव की चैतन्य, सतर्क अवस्था को दर्शाता है, जहां ध्यान अवस्था तुरीय अवस्था को अभिव्यक्त करती है। त्रिशूल प्रतीक है भौतिक, दैविक और आध्यात्मिक धाराओं का और साथ ही साथ शक्ति का भी। डमरू उस अनहद नाद का द्योतक है जिसकी आकांक्षा सभी को रहती है। शिव के नंदी चार पैर वाले होकर धर्म, अर्थ और मोक्ष के प्रतीक होने के साथ-साथ अनंत प्रतीक्षा व धैर्य के संप्रतीक हैं। नंदी भक्ति के उस रूप का दर्शन करवाते हैं जिसमें भक्त अपने ईश्वर से मिलने को तो आतुर है लेकिन अपनी सीमाओं में। इसी का प्रमाण है कि ध्यानस्थ शिव को कोई भी संदेश पहुंचाना हो तो नंदी सर्वश्रेष्ठ माध्यम हैं। इसलिए शिव से पहले नंदी के चरण छुए जाते हैं और उनके कानों में मनोकामना कही जाती है। शिव भय, क्रोध, अहंकार को हर लेते हैं।